# ग्रामीण महिला विकास संस्थान

GMVS

## वार्षिक प्रतिवेदन 2015-16

# सेवाओं की ओर ...

द हंस फाउण्डेशन
(नई दिल्ली) के वित्तीय सहयोग से
ग्रामीण महिला विकास संस्थान बूबानी अजमेर (राज.)
द्वारा संचालित वर्ष 2015-16
हंस मोबाईल मेडिकल सर्विस

द हंस फाउण्डेशन, नई दिल्ली के वित्तीय
सहयोग से ग्रामीण महिला विकास संस्थान, बूबानी (अजमेर)
द्वारा संचालित हंस मोबाईल मेडिकल सर्विसेज
विश्व मधुमेह दिवस 14 नवम्बर 2015

सुरेश सिंह रावत
संसदीय सचिव
राजस्थान सरकार

सत्यमेव जयते

6106, मंत्रालय भवन,
शासन सचिवालय, जयपुर–302005,
फोन (कार्यालय) 0141–2385701
ई.पी.ए.बी. एक्स : 5153225–21255
मोबाईल नम्बर : 9414006464
E-mail : sureshrawat29@gmail.com

# संदेश

मुझे यह जानकर बेहद खुशी हैं कि हर वर्ष की भॉति इस वर्ष भी ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी द्वारा अपना वार्षिक कार्य प्रगति प्रतिवेदन 2015–2016 प्रकाशित किया जा रहा हैं।

संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों के तहत किये जा रहे कार्यो में ग्रामीण क्षेत्रों में सच्ची समाजसेवा व तन–मन–धन एवं पूर्ण समर्पण की भावना से निःस्वार्थ रूप से विभिन्न कार्य करना तथा ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास के राष्ट्रीय लक्ष्य एवं उद्देश्य की प्राप्ति की दिशा में एक स्वैच्छिक गैर सरकारी संगठन के रूप में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, जल चेतना एवं जल संरक्षण, महिला स्वयं सहायता समूह, किसान संवर्द्धन, महिला सशक्तिकरण, महिला साक्षरता, बालश्रम उन्मूलन आदि क्षेत्रों में कार्य करते हुए अपनी मजबूत एवं सकारात्मक उपस्थिति दर्ज करवाने में सफलता पूर्वक एक और सोपान चढ़ने पर संस्थान से जुड़े प्रत्येक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता को मेरी तरफ से अनेक–अनेक साधुवाद एवं क्षेत्र का विकास करने पर धन्यवाद।

वर्तमान परिवेश में कोई भी लक्ष्य निर्धारित करके उस की प्राप्ति के लिए अनुशासित एवं मर्यादित आचरण करते हुए उसूलों पर चल कर लक्ष्य प्राप्ति का प्रयास करना दुष्कर हैं। लेकिन संस्थान की पूरी टीम में अथक प्रयासों के मध्य नजर मुझे आशा ही नही अपितु पूर्ण विश्वास हैं कि संस्थान ने जो भी लक्ष्य एवं उद्देश्य निर्धारित करके उक्त क्षेत्र में कदम रखा हैं उसकी प्राप्ति निश्चित होगी।

आने वाले समय में संस्थान अपने कार्यक्षेत्र में विस्तार करते हुए नये आयाम स्थापित करे तथा इसी तरह मानव मात्र की सेवा करते हुए प्रगति पथ पर निरन्तर अग्रसर रहे। उक्त गतिविधियों के सफल संचालन के कारण संस्थान एवं संस्थान सचिव श्री शंकरसिंह रावत को विभिन्न जिला स्तरीय, राज्य स्तरीय एवं राष्ट्रीय स्तरीय पारितोषिक, पदक एवं प्रमाण पत्र मिले हैं उसके लिए में संस्थान परिवार को हार्दिक बधाई देते हुए शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ एवं इस प्रगतिशील संस्थान और पूरे संस्थान परिवार के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

(सुरेश सिंह रावत)

# निदेशक की कलम से ...

बचपन में संघर्ष देखा आप-पास के परिवेश में विभिन्न सामाजिक, आर्थिक, अशिक्षा एंव स्वास्थ्य, और महिलाओं की समस्याओं को नजदीक से अनुभव किया। तब लगा कि कौन इन समस्याओं से निजात दिला सकता हैं। किसे जाकर पुकार करू इन सब के लिए। तो विचार आया कि मैं या कोई अकेला आदमी किसी भी समस्या का समाधान नही निकाल सकता हैं। तो अन्य लोगों से विचार विमर्श किया और निर्णय लिया इस हैतु एक संगठन बनाया जाये और संगठन के माध्यम से इन विभिन्न समस्या रूपी दानव का रणनीति पूर्वक सामना किया जाये तो लोगो को राहत मिल सकती हैं। इसी आशा के साथ सन् 1998 में ग्रामीण महिला विकास संस्थान (G.M.V.S.) को N.G.O. के रूप में अपनी एक झुंझारू टीम के साथ स्थापित किया।

तब से आज तक यानि विगत 19 वर्षो से संस्थान ग्रामीण क्षैत्रों में उक्त सभी समस्याओं के साथ-साथ गरीबी, बेरोजगारी, कुपोषण, महिला समस्या, अशिक्षा, स्वास्थ्य आदि अनेकानेक चुनौतीपूर्ण मुद्दों को लेकर कार्य करते हुए उक्त समस्याओं के निराकरण के लिए संचालित विभिन्न गतिविधियों एंव कार्यक्रमों का सफल संचालन कर रही हैं।

संस्थान को अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के क्रम में विभिन्न सरकारी एंव गैर सरकारी संस्थाओं का पूरा-पूरा सहयोग एंव मार्गदर्शन मिल रहा हैं जिसके लिए उनको कोटि-कोटि धन्यवाद जिसके परिणाम स्वरूप संस्थान लगातार अपने उद्देश्यों की प्राप्ति की दिशा में अग्रसर हैं। जिससे लाखों महिलाओं, बच्चों एवं कमजोर वर्ग के लोगों को राहत मिली हैं।

संस्थान का दीर्घकालीन उद्देश्य महिला सशक्तिकरण हैं जिसे प्राप्त करने के लिए समय-समय पर विभिन्न अल्पकालीन उद्देश्य बनाकर महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को बैंक लिंकेज कार्यक्रम के तहत विकास व रोजगार हेतु ऋण उपलब्ध करवाये जाते हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों के समुचित विकास एवं संस्थान के उद्देश्यों को प्राप्त करने में कार्यकर्ताओं की समर्पण पूर्ण मेहनत, लगन, एंव निष्ठापूर्वक किया गया योगदान ही अनुकूल परिणाम दे रहा हैं। जिससे संस्थान को राष्ट्रीय एंव अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर ख्याति मिल रही हैं।

संस्थान द्वारा विभिन्न गतिविधियों एंव कार्यक्रमों का सफल संचालन किया जा रहा हैं जिसका विस्तृत विवरण 2015-16 के वार्षिक प्रतिवेदन के रूप में आपश्री के हाथों में हैं। मैं इस संस्थान एवं संस्थान के सभी कार्यकर्ताओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

शंकर सिंह रावत
निदेशक

# अध्यक्षीय सम्बोधन

मैं अपार खुशी के साथ यह वार्षिक प्रतिवेदन आप सभी प्रबुद्धजनों के कर कमलों में समर्पित कर रहा हूँ। जिसे ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी (G.M.V.S.) हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रस्तुत कर रही हैं। विगत 19 वर्षों से संस्थान लगातार सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, स्वास्थ्य, जागरूकता आदि क्षेत्रों की विभिन्न विकास योजनाओं एंव गतिविधियों का विभिन्न सहभागी सरकारी एंव गैर सरकारी संस्थाओं के साथ मिल कर उनके सहयोग एंव मार्गदर्शन से सफल संचालन कर रही हैं।

ग्रामीण क्षैत्रों की विभिन्न समस्याओं (विशेष कर महिलाओं की) के आकलन एवं उनका किस प्रकार समाधान कर सके के विचार विमर्श के साथ एवं उक्त समस्याओं के निराकरण करने के उद्देश्य को लेकर सन् 1998 में ग्रामीण महिला विकास संस्थान एक स्वैच्छिक संगठन के रूप में अस्थित्व में आया। तब से आज तक संस्थान विभिन्न कार्यक्रमों व परियोजनाओं के माध्यम से गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, वित्तीय जागरूकता, महिला स्वयं सहायता समूह, महिला सशक्तिकरण स्वरोजगार आदि के विभिन्न मुद्दों पर कार्य करते हुए अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हैतु योजनाबद्धरूप से अग्रसर हैं।

संस्थान राजस्थान राज्य के 03 जिलों यथा अजमेर, चित्तौड़गढ़ एवं नागौर में विभिन्न कार्यक्रम संचालित कर रही हैं। संस्थान अजमेर जिलें की 5 पंचायत समितियों (श्रीनगर, सिलोरा, पीसांगन, केकड़ी व भिनाय) तथा चित्तौड़गढ़ के 5 पंचायत समितियों (चित्तौड़गढ़, निम्बाहेड़ा, कपासन, चन्देरिया व सावा) एवं नागौर जिले की 02 पंचायत समितियों (रियाँ बड़ी एवं परबतसर) में कार्य कर रही हैं।

संस्थान को अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हैतु संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का सफल संचालन करने के कारण हर वर्ष अनेकानेक राष्ट्रीय, राज्य, एवं जिला स्तरीय पुरस्कारों एंव प्रमाण पत्रों से सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जाता रहा हैं। इस हैतु मैं संस्थान की रीढ़ माने जाने वाले संस्थान में कार्यरत कर्मठ कार्यकर्ताओं को उनके सकारात्मक प्रयासों, सच्ची मेहनत एवं लगन के लिए उनका आभार प्रकट करता हूँ।

अनिल कुमार माथुर
अध्यक्ष

# ग्रामीण महिला विकास संस्थान (GMVS) कार्यक्षेत्र मानचित्र

**INDIA भारत**

**राज्य-राजस्थान**

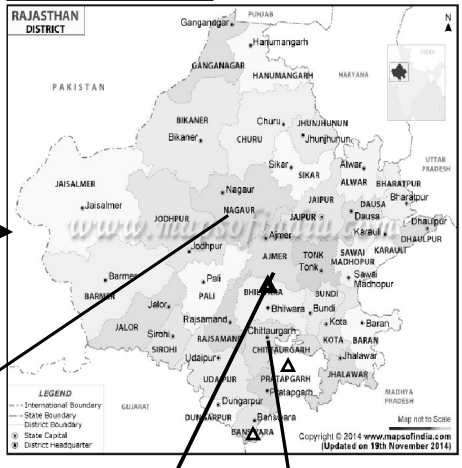


**जिला-नागौर**

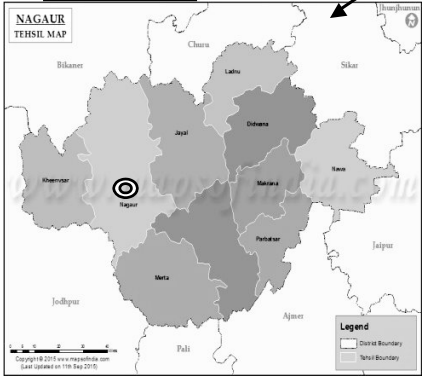


**जिला-अजमेर**

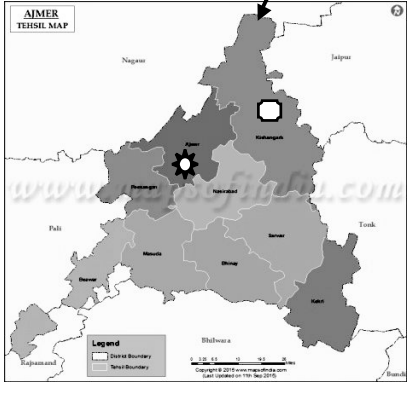


**जिला-चित्तौडगढ़**

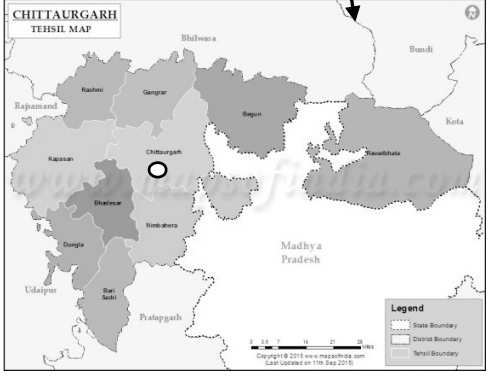


- △ जिला मुख्यालय-अजमेर, नागौर चित्तौडगढ़
- ○ मुख्य संस्थान कार्यालय-किशनगढ़
- ✡ संस्थान पंजीयन कार्यालय-बूबानी अजमेर
- ○ संस्थान क्षेत्रीय कार्यालय-चित्तौडगढ़
- ◎ संस्थान क्षेत्रीय कार्यालय-थावला नागौर

# ग्रामीण महिला विकास संस्थान-बूबानी, अजमेर ( राज )
# Gramin Mahila Vikash Sansthan-Bubani, Ajmer, Raj.
# वार्षिक प्रतिवेदन : वर्ष-2015-2016

## पृष्ठभूमि (Background)

ग्रामीण महिला विकास संस्थान, राजस्थान संस्था पंजीकरण सोसायटी अधिनियम 1958 की धारा 28 के तहत एवं आयकर अधिनियम 1961 की धारा 12-ए व 80जी के तहत तथा FCRA एक्ट 1976 के अधीन पंजीकृत हैं।

ग्रामीण महिला विकास संस्थान मानव समाज विषयक उद्देश्य जिसमें ग्रामीण महिला विकास एवं उत्थान विशेष के लिए गठित स्वैच्छिक संगठन हैं, जो वृहद स्तर पर ग्रामीण समुदाय के साथ उनके सामाजिक सशक्तिकरण एवं आजीविका संवर्द्धन के लिए कार्य कर रही हैं। संस्थान विविध और व्यापक स्तर पर समस्या प्रदान मुद्दों जैसे- स्वास्थ्य, शिक्षा, बच्चों की देखभाल, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक मुद्दे, स्वरोजगार आदि पर 1998 से विविध कार्यक्रमों का संचालन कर रहा हैं। वर्तमान में संस्था राजस्थान के 03 जिलों यथा अजमेर, चित्तौड़गढ़ एवं नागौर में विभिन्न गतिविधियों का सफल संचालन कर रही हैं। जिसमें अजमेर जिले की 5 पंचायत समितियों-श्रीनगर, सिलोरा, भिनाय, पीसांगन, और केकड़ी एवं चित्तौड़गढ़ जिले की 5 पंचायत समितियों-चित्तौड़गढ़, निम्बाहेड़ा, कपासन, चन्देरिया, सावा एंव नागौर जिले की 02 पंचायत समितियों-रियाँबड़ी एवं परबतसर में कार्य कर रही हैं।

## संस्था के विज़न, मिशन एवं उद्देश्य-

### विज़न (Vision)

ऐसे सशक्त समाज की स्थापना करना जो शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक, सामाजिक एवं रोजगार की दृष्टि से आत्मनिर्भर हो।

### मिशन (Mission)

मानवीय एवं प्राकृतिक संसाधनों के समुचित उपयोग से पिछड़े, अभावग्रस्त, ग़रीब समाज को स्वयं सहायता समूह, कलस्टर व फेडरेशन के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक व सामाजिक दृष्टि से सशक्त करना ग्रामीण लोगों, वंचित वर्ग खासकर महिलाओं/बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पेयजल व आजीविका के साधन सुनिश्चित करवाना।

## संस्था के उद्देश्य (Objectives)

- समस्याग्रस्त गांवों में स्वच्छ पीने के पानी की व्यवस्था करने में ग्रामीण क्षेत्रों में सहयोग करना।
- ग्रामीण क्षेत्रों में लोगो को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना एवं विशेष तौर से महिला स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाना एवं स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना।
- महिला विकास व सशक्तिकरण के क्रम में ग्रामीण महिलाओं की रूचि पैदा करना तथा महिलाओं को स्वरोजगार का प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाना।
- किसानों को आधुनिक तकनीक की जानकारी देना एवं आधुनिक तकनीकी कृषि के लिए प्रेरित करना।
- ग्रामीण लोगों का बीमा से जुड़ाव करके जोखिम की क्षतिपूर्ति करना।
- ग्रामीण महिलाओं को साक्षरता केन्द्रों के माध्यम से साक्षर करना।
- बालश्रम उन्मूलन के लिए लोगों को जागरूक करना।
- ग्रामीणों को पशुपालन जैसे- उन्नत नस्ल की बकरी एवं अन्य पालतु पशु पालन करने के लिए प्रेरित करना।
- पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़-पौधों के महत्व के प्रति लोगों को जागरूक करना।
- महिला व बाल विकास कार्यक्रम का संचालन व लोगों में जागरूकता हेतु बैठकों का आयोजन करना।
- बेहतर शिक्षा हेतु विद्यालयों एवं पुस्तकालयों की स्थापना करना।
- ग्रामीण दस्तकारी को बढ़ावा देने में सहयोग करना एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु खादी ग्रामोद्योग की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए नियमानुसार ऋण उपलब्ध करवाना।

# द् हंस फाउण्डेशन 'हंस मोबाइल मेडिकल सर्विसेज'
# The Hans Foundation 'Hans Mobile Medical Services"

## पृष्ठभूमि

हंस मोबाइल मेडिकल सर्विसेज कार्यक्रम का संचालन द् हंस फाउण्डेशन-नई दिल्ली के वित्तीय सहयोग एवं मार्गदर्शन से ग्रामीण महिला विकास संस्थान-बूबानी, अजमेर, राज. द्वारा मई 2014 से किया जा रहा हैं। अजमेर जिले की श्रीनगर पंचायत समिति की 04 ग्राम पंचायतों के 12 गाँवों में कार्यक्रम टीम द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं दी जा रही हैं। परियोजना द्वारा 12 गाँवों **( बूबानी, दांता, गेगल,खोडा, मुहामी, जाटली, गुढ़ा,**

**गोडियावास, नौलखा, टिढाणा की ढ़ाणी, निम्बूकियॉ की ढ़ाणी, तथा भवानीखेड़ा )** के ग्राम वासियों विशेषत: महिला तथा बच्चों को निशुल्क स्वास्थ्य जाँच तथा दवाईयाँ प्रदान कर रहे हैं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिला तथा बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार करना एवं मातृ और शिशु मृत्यु दर में कमी करना हैं। कार्यक्रम टीम द्वारा स्वास्थ्य जाँच के साथ-साथ समय-समय पर विभिन्न प्रशिक्षणों, स्वास्थ्य शिविरों एवं जागरूकता कार्यक्रमों आदि का भी आयोजन किया जाता हैं। परियोजना टीम हर महिने में कार्यक्रम से जुड़ें गाँवों में 02 बार जाकर स्वास्थ्य सेवाएं एवं विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन करती हैं। परियोजना के इस दूसरे सत्र 2015-2016 में कार्यक्रम के तहत 18562 लाभार्थियों को राहत पहुँचाई गई हैं।

## कार्यक्रम के उद्देश्य

- ❖ महिला एवं बच्चों के स्वास्थ्य स्तर में सुधार करना।
- ❖ मातृ और शिशु मृत्यु दर में कमी लाना।
- ❖ कार्यक्षेत्र के लोगों को नि:शुल्क चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना।
- ❖ ग्रामवासियों को समय पर स्वास्थ्य सम्बन्धी सुविधायें आसानी से मुहैया कराना।
- ❖ ग्रामवासियों को समय पर पूर्ण इलाज प्राप्त कराना ताकि बिमारी को जड़ से समाप्त किया जा सके।
- ❖ लोगों के स्वास्थ्य सम्बन्धी खर्चो में कमी लाना ताकि उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार सम्भव हो।
- ❖ चिकित्सा सेवाओं के साथ-साथ विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन करना।
- ❖ जागरूकता शिविरों के द्वारा महिलाओ, किशोरी बालिकाओं तथा ग्रामवासियों को विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारियाँ प्रदान करना।
- ❖ वर्ष भर में विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय दिवसों पर स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारियाँ एवं जागरूकता रैलियों का आयोजन करके गाँव वालों को लाभान्वित करना।
- ❖ लाभार्थियों को पोषाहार, स्वच्छता, शारीरिक देखभाल, आँखों की देखभाल, मानसिक स्वास्थ्य, सबस्टेंस एबयूज तथा सामाजिक कुरीतियों जैसें-दहेज प्रथा, बाल विवाह, शराब, नशाखोरी, आदि पर काउसंलिंग सेवाएं प्रदान करना।
- ❖ महिलाओं एवं उनके परिवारों को प्रसव पूर्व, सुरक्षित प्रसव तथा प्रसव बाद देखभाल हेतु प्रोत्साहित एवं जागरूक करना।
- ❖ ग्राम वासियों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर सरकारी योजनाओं के साथ जोड़ना।

## रणनीति

- ➢ गाँव में प्रत्येक घर का सर्वे करना।
- ➢ स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा गाँव में एम्बुलेन्स तथा स्वास्थ्य टीम पहुँचने की जानकारी देना।
- ➢ गाँव की प्रत्येक गर्भवती महिला, धात्री महिला तथा गरीबों से सम्पर्क करना।
- ➢ होम विजिट द्वारा महिलाओं, बालिकाओं तथा ग्रामवासियों को जागरूकता बैठक में उपस्थित होने हेतु

प्रेरित करना।

- संस्थान द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को एकत्रित कर स्वास्थ्य सम्बन्धी मुद्दों पर चर्चा करना।
- ग्राम स्वास्थ्य कमेटी की मासिक बैठकों का आयोजन करना तथा बच्चों के आहार, टीकाकरण, विटामिन-ए आदि मुद्दों पर विस्तृत चर्चा करना।
- गम्भीर गर्भवती महिलाओं को चिन्हित करना एवं बच्चों तथा महिलाओं को नजदीकी अस्पताल पी. एच.सी. या सी.एच.सी. पर रेफर करना।
- स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा गाँव में इलाज किये गये मरीजों की होम विजीट करना तथा उनका फॉलोअप करना। एवं स्थिति के बारे में स्वास्थ्य टीम से बातचीत करना।
- स्वास्थ्य कार्ड़ों द्वारा माताओं एवं बच्चों का रिकॉर्ड रखना तथा उनका रिकार्ड के अनुसार उपचार करना।
- परियोजना अधिकारी द्वारा समय-2 पर परियोजना, स्वास्थ्य टीम एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की मॉनिट्रिंग व मूल्याकंन करना।

## उपलब्धियाँ

- कार्यक्रम द्वारा सत्र 2015-2016 में मार्च 2016 तक 18562 मरीजों का उपचार किया गया।
- स्वास्थ्य टीम द्वारा एम्बुलेंस के साथ जाकर परियोजना के 12 गाँवों में माह में 02 बार जाकर नि:शुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की गई।
- स्वास्थ्य टीम का मुख्य लक्ष्य महिलाओं तथा बच्चों को स्वास्थ्य सुविधायें प्रदान करना था। जिसके मध्यनजर रखते हुए स्वास्थ्य टीम द्वारा 12563 महिलाओं एवं 4182 बच्चों तथा 1817 पुरूषों को लाभ पँहुचाया गया।
- 2894 गर्भवती तथा 500 धात्री महिलाओं को चिकित्सा सेवायें प्रदान की गयी।
- 134 मरीजों को रैफर किया गया।
- 1022 महिलाओं एवं 183 बच्चों और 93 पुरूषों को लैब इन्वेटीगेशन/जाँच की सुविधायें प्रदान की।
- 503 गर्भवती महिलाओं की लैब जाँच की गई।
- 2223 बच्चों का टीकाकरण किया गया।
- परियोजना टीम द्वारा जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता हैं। इस वर्ष संस्थान द्वारा 2734 महिलाओं 2733 बालिकाओं तथा 2043 ग्रामवासियों के विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के द्वारा जागरूक किया गया।
- स्वास्थ्य टीम द्वारा वर्ष भर में विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय दिवसों का आयोजन किया गया

जैसे–विश्व मधुमेह दिवस, विश्व दृष्टि दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, विश्व स्वास्थ्य दिवस आदि।

- इस सत्र में 400 प्रसव सरकारी संस्थान, 95 प्रसव निजी संस्थान और 28 प्रसव घर पर हुए।
- 1195 बी.पी.एल. सदस्य लाभान्वित हुए।
- 312 महिलाओं, बच्चों तथा पुरूषों का स्वास्थ्य टीम द्वारा घर–घर पहुँचकर इलाज किया गया। वे ऐसे मरीज थे जो एम्बुलेंस तक आने की स्थिति में नही थे।
- परियोजना टीम द्वारा कार्यक्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की तीन–2 बालिकाओं के साथ समूह बनाये गये। इनके साथ स्कूल में प्रत्येक माह बालिका समूह के साथ एक जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। इस वर्ष 10 बालिका समूह के साथ 140 बैठकों का आयोजन किया गया।
- 1125 मरीजों का उपचार स्टेशनरी हेल्थ सेन्टर–बूबानी में किया गया।
- ग्रामवासियों के स्वास्थ्य में सुधार विशेष तौर पर महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार हुआ।
- ग्रामवासियों के चिकित्सा एवं बिमारी पर लगने वाले समय व खर्च की बचत हुई।
- ग्रामवासियों को समय पर पूर्ण इलाज मिलने पर सभी मरीजों ने दवा का पूर्ण पाठ्यक्रम (कोर्स) लिया।
- विभिन्न जागरूकता शिविरों, रैलियों के माध्यम से स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारियाँ मिली तथा जिनका जीवन में उपयोग कर जीवन स्तर में वृद्धि हुई।
- ग्रामवासियों द्वारा स्वास्थ्य टीम तथा एम्बुलेंस का बेसब्री से इंतजार किया जाता हैं क्योंकि ग्रामवासी स्वास्थ्य टीम के उपचार को ज्यादा महत्व देते हैं।

## लक्षित हस्तक्षेप परियोजना ''माईग्रेन्ट टी.आई.'' चित्तौड़गढ़
## (Targeted Intervention Migrant Programme Chittorgarh)

ग्रामीण महिला विकास संस्थान–द्वारा चित्तौड़गढ़ जिले में पिछले 02 वर्षो से अर्थात 01 मार्च 2014 से लक्षित हस्तक्षेप माईग्रेन्ट परियोजना का संचालन किया जा रहा हैं। यह कार्यक्रम राजस्थान स्टेट एड्स कन्ट्रोल सोसायटी–जयपुर के सहयोग एवं मार्गदर्शन द्वारा संचालित हैं। इस कार्यक्रम के तहत पलायन कर्ता माइग्रेन्ट 19935 'उन्नीस हजार नौ सौ पैंतीस' लोगों को रजिस्टर्ड किया गया हैं। इस कार्यक्रम में रजिस्टर्ड लोग भारत के विभिन्न राज्यों व क्षेत्रों से सम्बन्धित हैं। अधिकांश लोग बिहार, झारखण्ड, पंजाब, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, बंगाल, व उड़ीसा एवं राजस्थान राज्यों से हैं।

वर्तमान में चितौड़गढ़ जिले के निम्न फैक्ट्रीयों व अन्य क्षेत्रों में कार्यरत महिला व पुरूषों को रजिस्टर्ड किया हैं। ये फैक्ट्रीया–आदित्य बिडला सावा, लाफार्ज, जे. के. मांगरोल, वण्डर सीमेन्ट, के. के. कोटेक्स, गणपति

फर्ट्रीलाइर्जस, बिरला सीमेन्ट आदि मुख्य हैं। इनके अलावा एफ.सी.आई. गोदाम चन्देरियां व चितौड़गढ़ रेल्वे फाटक, रेल्वे ट्रैक चन्देरियां, कपासन के अन्य क्षेत्रों, निम्बाहेड़ा व सावा के अलग-अलग क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को इस कार्यक्रम से जोड़ा गया हैं।

वर्तमान में 19935 लोगों को रजिस्टर्ड किया गया हैं। 5549 समूह बैठके की गई हैं। इनके माध्यम से लोगों को टी.आई. कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी गई। एच.आई.वी. एड्स, कण्डोम, आई.सी.टी.सी., ए.आर.टी., एवं नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर के बारे में बताया गया। अभी तक 173 नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया हैं। जिसमें 9828 लोगों की चिकित्सक द्वारा विभिन्न जाँचे की गई हैं। व 2656 लोगों की एच.आई.वी. एड्स व वी.डी.आर.एल. 'यौन रोग' की जाँच हुई हैं। 738 लोगों के एस.टी.आई. यौन रोगों की जाँच व इलाज किया गया। 48 नुक्कड़ नाटक व पपेट शौ आयोजित किये गये। इनके माध्यम से एच.आई.वी. एड्स की सामान्य जानकारी दी गई।

## उद्देश्य

1. प्रतिवर्ष 10,000 माइग्रेन्ट लोगों को रजिस्टर्ड करना।
2. फिल्ड व डी.आई.सी. में एकल व समूह बैठकों का आयोजन करना।
3. नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन व उसमें परामर्श व जाँचें नि:शुल्क उपलब्ध करवाना।
4. एच.आई.वी. एड्स की जाँच व परामर्श।
5. लोगों मे एच.आई.वी. एड्स, यौन रोग फैलाव व बचाव की जानकारी देने के साथ ही कण्डोम उपयोगिता के प्रति जागरूक करना।
6. माइग्रेन्ट को सुरक्षित यौन व्यवहार के लिए प्रेरित करना ताकि संक्रमण को अपने स्थान पर ही रोका जा सके।

## रणनीति

- ❖ उच्च जोखिम समूह की महिला व पुरूष माइग्रेन्ट व्यक्तियों को टी.आई. कार्यक्रम के तहत रजिस्ट्रेशन करना।
- ❖ नि:शुल्क शिविरों में लोगों की उपस्थिति बढ़ाना।
- ❖ कण्डोम उपयोग व सुरक्षित व्यवहार के लिए प्रेरित करना।
- ❖ नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सुरक्षित यौन व्यवहार के प्रति जागरूक करना।
- ❖ लोगों में एच.आई.वी. एड्स, एस.टी.आई./आर.टी.आई. , वी.डी.आर.एल. जाँच, एवं यौन व्यवहार के प्रति जागरूक करना।

## गतिविधियॉं

- ➢ **रजिस्ट्रेशन:**-परामर्श, नि:शुल्क स्वास्थ्य कैम्प आदि डी.आई.सी. के माध्यम से किये जातें हैं। ताकि उनकों कार्यक्रम की प्रत्येक गतिविधियों से जोड़ा जा सके। ये पी.एल. व पी.ई. के द्वारा किया जाता हैं।
- ➢ **परामर्श :**-संस्थान के परामर्श कर्ता द्वारा माइग्रेन्ट व अन्य लोगों को परामर्श दिया जाता हैं। उच्च जोखिम

व्यवहार की जानकारी देकर उनको एच.आई.वी. एड्स टी.बी./एस.टी.आई. आदि संक्रमणों के बारे में बताना। लोगों को सुरक्षित यौन व्यवहार के लिए प्रेरित करना। परामर्श व्यक्तिगत व सामूहिक दोनों तरह से किया जाता हैं माइग्रेन्ट को 14 प्रकार से परामर्श किया जाता हैं जो उनके उच्च जौखिम व्यवहार की जानकारी प्राप्त कर उसके जोखिम को कम करने व आई.सी.टी.सी. द्वारा रक्त जाँच करवा कर उसके एच.आई.वी. सक्रमण के बारे में जानकारी लेकर होने व न होने पर परामर्श करना, परिवार नियोजन, शराब व अन्य प्रकार का परामर्श कर उनकों जागरूक करना। संस्थान द्वारा अभी तक 9373 लोगों को परामर्श दिया जा चुका हैं।

- **रेफरल व लिंकेज:**-उच्च जोखिम समूह को डी.आई.सी. ऑफिस, आई.सी.टी.सी, ए.आर.टी., डॉट व अन्य जगह रेफर व लिंक करना। आवश्यकता अनुसार लोगों को रेफरल व लिंकेज किया जाता हैं। अब तक 2656 लोगों को आई.सी.टी.सी. जाँच करवायी हैं। साथ ही जो व्यक्ति एच.आई.वी. संक्रमित हैं उसको ए.आर.टी. से लिंक करवाया हैं। व अन्य सुविधाओं से भी जोड़ा गया हैं।
- **नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर:**-मार्च 2016 तक 173 स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया जिसमें कुल 9828 लोगों को नि:शुल्क जाँच एवं परामर्श किया गया। कुल 2656 लोगों के रक्त की जाँच की गई। 738 यौन रोगियों का इलाज किया गया। जिसमें लोगों को जागरूक किया गया। प्रति 06 माह मे रक्त की जाँच की गई ।
- **नुक्कड़ नाटक:**-संस्थान द्वारा नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लोगों को एच.आई.वी. एड्स व एस.टी. आई., टी.बी. के प्रति जागरूकता व बचाव की जानकारी दी। साथ ही इसके विषाणु कैसे फैलते हैं। इनसे कैसे बचाव हो सकता हैं। सुरक्षित यौन व्यवहार के लिए प्रेरित करना व कण्डोम की उपयोगिता को बताना। साथ ही एड्स का उपचार कहा करवाया जाता हैं। इसके बारे में पूर्व जानकारी दी जाती हैं। साथ ही अपने साथी के प्रति वफादारी व सुरक्षित यौन व्यवहार के प्रति जागरूक किया जाता है।
- **डेटा मूल्यांकन:**-एम/ई के माध्यम से डाटा का मूल्यांकन करना व पी.एम. द्वारा उसकी जाँच करवाना। समय पर सभी रिपोट्स को एकत्रित करना व आगे पहुँचाना। जिसका क्रम निम्न प्रकार हैं-पी.एल. -ओ.आर.डब्ल्यू-एम.जी.-पी.एम.
- **व्यवहार परिवर्तन:**-जोखिम पूर्ण व्यवहार सम्बन्धित लोगों के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार करना। उनके साथ बैठक करना, उनके यौन व्यवहार को सुरक्षित यौन व्यवहार में परिवर्तन करना व जीवन में उपयोग करने के लिए प्रेरित करना। जिससे परिवार को सुरक्षित जीवन दे सके।
- **कार्यक्रम:**-माइग्रेन्ट टी. आई. परियोजना में विभिन्न महिला पुरूष के साथ बैठको का आयोजन करना। माईग्रेन्ट को परामर्श एवं जाँच उपलब्ध करवाना, स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन कर नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित करना। नुक्कड़ व पपेट-शो करवाना। विभिन्न लोगों के साथ एडवोकेसी कर कार्यक्रम में अनुकूलता लाना। कण्डोम की उपलब्धता व उपयोगिता की जानकारी

देना। समयानुसार कान्गीरेशन इवेन्टस का आयोजन, डिमाण्ड जेनेरेट गतिविधियाँ करना। विभिन्न क्षेत्रों में एड्स दिवस पर गतिविधियों का आयोजन करना। विभिन्न कार्यक्रमों में सी.एस.आर. व एच. आर. सम्बन्धित अधिकारियों का सम्मिलित होना। टी.आई. कार्यक्रम के तहत एम.एम.ए. श्री मान चन्द्रभान सिंह जी आक्दा, प्रधान श्री मान प्रवीण सिंह जी, राजस्थान महिला मोर्चा अध्यक्ष श्री मती मीनू कंवर आदि द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों में आतिथ्य ग्रहण किया गया।

## उपलब्धियाँ

- ❖ कार्यक्रम जिला समन्वयक द्वारा चिकित्सा विभाग सरकारी एवं गैर सरकारी, सी.एस.आर./एच.आर. फैक्ट्री, यूनियन के साथ नेटवर्क बनाना।
- ❖ एडवोकेसी के माध्यम से लोगों को टी.आई. कार्यक्रम के प्रति समझ बनाना व सहयोग प्राप्त करना।
- ❖ माइग्रेन्ट लोगों में सुरक्षित व्यवहार के प्रति जागरूकता बढाना।
- ❖ लोगों में एड्स के प्रति समझ बढाना व साथ ही एड्स के भय को दूर करना व समझ विकसित करना।
- ❖ कण्डोम के प्रति समझ व उपयोगिता बढाना।
- ❖ एस.टी.आई./आर.टी.आई. इलाज के द्वारा रोगियों में कमी लाना।
- ❖ माइग्रेन्ट लोगों को टी. आई. के साथ अन्य सरकारी व गैर सरकारी सुविधाओं की जानकारी देना।
- ❖ महिला माइग्रेन्ट का संस्थान से जुड़ाव व सुरक्षित वातावरण में गोपनीयता के साथ जाँच व परामर्श करना।

जब दुनिया दीपावली व दशहरा मनाने की तैयारी कर रही थी तब सूरजमल को चौकाने वाला एच.आई. वी. एड्स की पॉजिटिव रिपॉर्ट मिली। उसी समय मानो उसके जीवन में भूचाल आ गया उसे ऐसा लगा कि सब कुछ खत्म हो गया।

## नाता प्रथा

इस प्रथा के अनुसार कोई महिला या पुरूष पहले विवाहित पति या पत्नी को छोडकर किसी अन्य पुरूष के साथ अपने परिवार की सहमति के साथ अपने ही समुदाय या जाति में साथ जीवन यापन करते हैं इस प्रथा को नाता प्रथा कहते हैं।

नाता प्रथा के अनुसार सूरजमल का विवाह स्वीटी से हुआ स्वीटी के आते ही सूरजमल के जीवन मे फिर से बहार आ गई। सूरजमल इस बात से अन्जान हैं कि स्वीटी पहले से ही एच.आई.वी. संक्रमित हैं। स्वीटी सूरजमल को कई बार चाह कर भी नही बता पाई क्योंकि वह सूरज को कभी खोना नही चाहती थी। दोनों हंसी खुशी अपना जीवन-यापन कर रहे थे। उनकों एक दिन खुश खबरी मिली कि सूरजमल पिता बनने वाला हैं वह इस बात से

बहुत खुश हुआ। वह अपनी पत्नी का और भी ज्यादा ख्याल रखने लगा। इसी बीच कभी–कभी स्वीटी की तबीयत खराब होने लगती थी। जब भी वह स्वीटी को अस्पताल ले जाने के लिए कहता तो स्वीटी उसे टाल देती थी। वह उसे काम की अधिकता के कारण तबीयत खराब होना बताती थी। वह अपनी इच्छा से दवाईयाँ खा लेती थी। इस तरह काफी समय बीत चुका था। एक दिन अचानक स्वीटी के पेट में दर्द हुआ। उसे परिवार द्वारा अस्पताल लाया गया जहाँ पर उसे पता चला की स्वीटी को एच.आई.वी. एड्स हैं।

तब वह डॉक्टर के पास गया तो डॉक्टर ने उसे भी एड्स की जॉच कराने के लिए कहा। सूरजमल ने एड्स की जाँच करवाई और वह नेगेटिव निकला पर एच.आई.वी. की जानकारी के अभाव में उसने इस बात पर ध्यान न देते हुए स्वीटी को घर ले गया। और वह अपना जीवन पहले की तरह व्यतित करने लगा। और तीन महीने बीत गए। इसी बीच उसे कब एच.आई.वी. संक्रमण हो गया उसे भनक तक नही लगी और वह रोज की तरह अपनी आजिविका चलाने के लिए कपासन के एक साइड पर कन्सट्रक्शन कार्य कर रहा था। तब आर.एस.ए.सी.एस. द्वारा संचालित **G.M.V.S.** संस्थान के ओ.आर.एस. बृजेश कुमार व नरेन्द्र से मुलाकात हुई और उन्होने सूरजमल व उनके साथियों को एच.आई.वी. एड्स फेलने के मुख्य चार कारण बताए तथा इससे बचने के लिए कण्डोम उपयोग करने को कहा एवं कण्डोम डेमों देकर कण्डोम उपयोग करने के सही तरीके की जानकारी दी। तब सूरजमल के मन में शंका हुई की बृजेश के बताए अनुसार असुरक्षित यौन सम्बन्ध बनाने से एच.आई.वी. होता हैं। और में भी कही एच.आई.वी. संक्रमित तो नही हो गया। इसी डर के कारण वह अपनी एच.आई.वी. की जांच कराने के लिए तैयार नही होता हैं क्योंकि सभी को मेरी उक्त बिमारी का पता चल जाएगा। और सामाजिक बहिष्कार हो जायेगा। एक दिन अचानक फिर से खुशी आ गई की सूरजमल फिर से पिता बनने वाला हैं। इसी तरह सात महिने बीत गए और सूरजमल स्वीटी की जांच करवाने जिला अस्पताल लाया डॉक्टर को दिखाने पर पता चला की स्वीटी को बच्चा आज ही होगा और सूरजमल यह बात सुनकर घबरा गया और स्वीटी की जांच करवाई तो डॉक्टर द्वारा स्वीटी को भर्ती कराने के लिए कहा पर वह तैयार नही हुई। उसी समय सूरजमल ने ओ. आर.डब्ल्यू. बृजेश कुमार को फोन किया बात सुनते ही संस्थान के पी.एम. काउन्सलर ओ.आर.वी. नरेन्द्र कुमार, बृजेश कुमार तुरन्त ही एम.बी.सी. अस्पताल पहुँचे और स्वीटी की काउन्सलिंग करके उसको समझाया उसके बाद स्वीटी अपने पहले प्रसव की आप बीती पी.एम. को सुनाई। और अस्पताल में प्रसव कराने के लिए मना कर दिया तब पी.एम. ममतासिंह चौहान द्वारा स्वीटी की काउन्सलिंग की गई और कहा कि हम तुम्हारे साथ है और तुम्हें किसी बात की परेशानी नही आने देंगें। उसके बाद स्वीटी जिला अस्पताल में भर्ती हुई। दूसरी ओर सूरजमल को एच.आई.वी. टेस्ट कराने के लिए प्रेरित किया। जिससे वह जांच के लिए तैयार हो गया कुछ देर बाद सूरजमल को एक अच्छी खबर के साथ एक बुरी खबर भी मिली।

अच्छी खबर तो यह थी कि स्वीटी ने एक नन्हीं सी प्यारी सी बच्ची को जन्म दिया हैं और जच्चा–बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। लेकिन इसी के साथ एक बुरी खबर यह कि सूरजमल को एड्स हैं वह एच.आई.वी. पॉजिटिव हैं। उक्त खबर सुन कर सूरजमल पर मानो पहाड़ सा टुट पड़ा। उसे ऐसा लगा कि सब कुछ खत्म हो गया हैं। वह इस खबर से इतना आहत हुआ कि मरने को तैयार हो गया। तब उसे पी.एम., ओ.आर.डब्ल्यू. काउन्सलर द्वारा

उक्त बिमारी से लड़नें के लिए प्रेरित किया एवं उसे जीवन के प्रति आशान्वित करते हुए कहा कि नियमित उपचार लेने से व्यक्ति सामान्य जीवन जी सकता हैं। इससे उसे हिम्मत मिली एवं आज वह नियमित उपचार ले रहा हैं एवं सामान्य जीवन जी रहा हैं।

सूरजमल ने एक तरफ जहाँ उक्त बिमारी के कारण अपने जीवन को समाप्त करने तक का निश्चय कर लिया था। लेकिन समय रहते ग्रामीण महिला विकास संस्थान द्वारा दिये गए मार्गदर्शन और उचित परामर्श एवं उपचार मिलने से आज उसे भी आशा की किरण नजर आ रही हैं एवं वह अपने परिवार के साथ बिना भय एवं किसी डर के हंसी खुशी सामान्य जीवन व्यतीत कर रहा हैं। आज वह ए.आर.टी. से लिंक हैं और समाज के लिए उसका संदेश हैं कि ''जीवो और जीने दो''

## ''वफादारी ही जिन्दगी''

एक दिन था, अपनी हसरतों के लिए जीया,
जिन्दगी यू ही जीता गया, जो मिला जुड़ता गया।
मन आनन्दित हो उड़ता गया, आकांक्षा संग चलता गया।
हर दिन नया सवेरा हुआ, पता नही चला क्यूं सुहाता गया।
लाख समझाया सभी ने पर, मैं यूं ही मुस्कराता गया।
जब मुझे मालुम हुआ, भोलेपन से एड्स हुआ।
सारे मजे एक पल में गुम हो गए, पत्नि बच्चे सब छोड़ गये।
माता-पिता के पास बैठकर रोता गया, ऐसा लगा मानो सब कुछ खत्म हुआ।
खूब समझाया उन्होने पर, कुछ भी समझ न पाया।
एक-एक कर सबका साथ छूट गया, सपनो का साथ भी छूट गया।
एक दिन आया, जब **G.M.V.S.** के लोग मिले।
मानो मेरे सूने जीवन को, फिर से प्राण मिले।
सोया था अब तक, पर अब मैं जाग गया हूँ।
अपनी हसरतों को पहचान गया हैं।
दर-दर भटकता यहाँ-वहाँ अब ये समझ गया हूँ।
जो हुआ इस वायरस ''एड्स'' से हुआ हैं।
जहां पहले में तिल-तिल मर रहा था, अब जी उठा हूँ।
और अब सबसे बस यही कह रहा हूँ।
रहे परिवार से वफादार, उत्तेजना में कण्डोम का उपयोग करें।
प्रति छः माह में रक्त की जांच करवायें।

By ममतासिंह चौहान
GMVS चित्तौड़गढ़

# महिला साक्षरता परियोजना
# (Women Literacy Programme)

## पृष्ठभूमि

ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी, अजमेर गत 3 वर्षो से निरन्तर अजमेर जिले की सिलोरा एवं श्रीनगर पंचायत समितियों के 11 गाँवों में महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ी ग्रामीण असाक्षर महिलाओं को महिला साक्षरता कार्यक्रम (रात्रि शालाओं) के माध्यम से साक्षर करने के लिए सर रतन टाटा ट्रस्ट व सेन्टर फॉर माइक्रो फाईनेन्स के वित्तीय सहयोग एवं मार्गदर्शन से सिलोरा एंव श्रीनगर पंचायत समितियों में निम्न 11 गाँवों में उक्त कार्यक्रम के तहत रात्रि शालाओं का संचालन करते हुए निरक्षर महिलाओं को साक्षर करने के लिए प्रयासरत हैं।

### : महिला रात्रि पाठशाला सूची :

| क्रसं. | पाठशाला का नाम | गाँव का नाम | ग्रा. पं. का नाम | पं. समिति का नाम | नामाकिंत महिलाएं | शाला स्थापना तिथि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | साथिन महिला पाठशाला | रलावता | रलावता | सिलोरा | 25 | 01.01.2014 |
| 2. | सहेली महिला पाठशाला | रलावता | रलावता | सिलोरा | 25 | 01.01.2014 |
| 3. | उजाला महिला पाठशाला | रलावता | रलावता | सिलोरा | 25 | 01.06.2014 |
| 4. | गंगा महिला पाठशाला | सिणगारा | थल | सिलोरा | 25 | 01.06.2014 |
| 5. | शारदा महिला पाठशाला | थल | थल | सिलोरा | 25 | 01.06.2014 |
| 6. | देव महिला पाठशाला | टोंकडा | खातोली | सिलोरा | 25 | 01.05.2015 |
| 7. | लक्ष्मी महिला पाठशाला | निटूटी | पनेर | सिलोरा | 25 | 01.01.2016 |
| 8. | लाडली महिला पाठशाला | सिणगारा | थल | सिलोरा | 25 | 01.01.2016 |
| 9. | सखी सहेली म0 पाठशाला | सराना | उटड़ा | श्रीनगर | 25 | 01.06.2014 |
| 10. | एकता महिला पाठशाला | दाँता | गेगल | श्रीनगर | 25 | 01.05.2015 |
| 11. | रोशनी महिला पाठशाला | बूबानी | बूबानी | श्रीनगर | 25 | 01.05.2015 |
| 12. | धनोप महिला पाठशाला | हाथीपट्टा | फारकिया | श्रीनगर | 25 | 01.01.2016 |
| 13. | गायत्री महिला पाठशाला | सराना | उटड़ा | श्रीनगर | 25 | 01.01.2016 |
| 14. | तारा महिला पाठशाला | टिढ़ाणा | नरवर | श्रीनगर | 25 | 01.01.2016 |
| 15. | सरस्वती महिला पाठशाला | निम्बूकिया | नरवर | श्रीनगर | 25 | 01.01.2016 |
| | | | | **कुल** | **375** | |

इस प्रकार पंचायत समिति सिलोरा की 04 ग्राम पंचायतों के 05 गाँवों में संचालित 08 रात्रि पाठशालाओं के माध्यम से 200 महिलाओं को साक्षर किया जा रहा हैं। इसी तरह पंचायत समिति श्रीनगर में भी 05 ग्राम पंचायतों के 06 गाँवों में 07 रात्रि पाठ शालाओं का संचालन करते हुए 175 महिलाओं को साक्षर किया जा रहा हैं। इस प्रकार कुल 15 रात्रि शालाओं में 375 महिलाओं को साक्षर किया जा रहा हैं। जिसके परिणाम स्वरूप महिलाएं अपना एवं अपने परिवार के सदस्यों के नाम लिखने के साथ-साथ अखबार एवं विभिन्न किताबें भी पढ़ने लगी हैं। साथ ही अपने स्वयं सहायता समूह की डायरी, बैंक डायरी व अपना व्यक्तिगत पास बुक को पढ़कर अपना हिसाब-किताब स्वयं करने लगी हैं। इसके अलावा ग्राम पंचायतों की बैठकों में भाग लेने लगी हैं एवं नरेगा आदि के आवेदन फार्म स्वयं भरने व समझने लग गई हैं। जिन महिलाओं को बिल्कुल भी पढ़ना लिखना नही आता था वे उक्त कार्यक्रम से जुड़ कर शिक्षा की दृष्टि से आत्मनिर्भर बन रही हैं।

## कार्यक्रम के उद्देश्य

- ग्रामीण क्षेत्र में संचालित महिला स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी निरक्षर महिलाओं को दैनिक जीवन में साक्षरता को लेकर आने वाली समस्याओं का सामना करने में सक्षम बनाना।
- गाँवों में संचालित होने वाली विभिन्न विकासात्मक योजनाओं में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना।
- स्वयं सहायता समूहों का क्षमतावर्द्धन के लिए क्रियात्मक साक्षरता को विकसित करना।
- समूह की महिलाओं में आत्मविश्वास विकसित करते हुए उनका सशक्तिकरण और उनमें आत्मनिर्भरता की भावना का विकास करना।
- गाँवों में संचालित विभिन्न सरकारी एंव गैर-सरकारी योजनाओं एवं गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना।
- ग्राम सभाओं एवं सामाजिक विकास के लिए अधिकार के साथ भाग लेना।
- आरम्भ में प्राथमिक स्तर तक महिलाओं को साक्षर बनाना।
- महिलाओं को शैक्षिक दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाना ताकि वे स्वयं सहायता समूह के हिसाब रजिस्टर एवं बैठक रजिस्टर आदि की कार्यवाही आदि को जान सके एवं अपना हिसाब-किताब स्वयं रख सके।

## रणनीति

- समूह मासिक बैठकों में महिलाओं को निरक्षरता एवं अशिक्षा से दैनिक जीवन में आने वाली विभिन्न समस्याओं से परिचित कराना।
- महिला समर्तित गतिविधियों में महिलाओं, महिला कलस्टर एवं समुदाय विशेष के साथ नियमित एवं ज्यादा से ज्यादा बैठके आयोजित करना।
- कार्यक्रम से जुड़ी हुई महिलाओं का अन्य महिलाओं से सम्पर्क कराना व आपसी विचार विमर्श करना।
- समय-समय पर महिला अध्यापिकाओं के विभिन्न प्रशिक्षण आयोजित करवाना।

- दस्तावेजी करण एवं योजनाबद्ध तरीके से शिक्षण करवाने के लिए नयी–नयी विधियाँ तैयार करना।
- एक रात्रिशाला का दूसरी रात्रि शालाओं में भ्रमण करवाना।
- समय–समय पर मूल्यांकन व स्तर जाँच करना।
- महिला अध्यापिकाओं एवं सहभागी महिलाओं के अनुरूप पाठशाला समय, स्थान, एवं अध्यापिकाओं का चयन करना।
- स्कूली साक्षरता को व्यावहारिक बनाकर महिला स्वयं सहायता समूह की क्षमता को सुधारने के लिए कार्यात्मक साक्षरता को विकसित करना।

## मुख्य गतिविधियॉं

- महिला स्वयं सहायता समूह व कलस्टर और समुदाय के साथ साक्षरता की जरूरत को निकालने के लिए बैठके करना जिससे स्थानीय साक्षरता की आवश्यकता निकल कर सामने आये।
- गाँवों का 10 प्रतिशत सर्वे करना जिससे वहाँ के वातावरण व उनकी पारिवारिक व व्यावसायिक स्थर का आँकलन हो सके।
- स्वयं सहायता समूह से जुडी महिलाओं व कलस्टर के साथ बैठके करके साक्षरता की जरूरत मंद महिलाओं की सूची तैयार की जाती हैं। इसी बैठक में स्थानीय महिलाओं को पढानें के लिए अध्यापिकाओं के चयन प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए यह शर्त रखी जाती हैं कि अध्यापिका स्थानीय व 10वीं या 12वीं तक पढ़ी लिखी हो। महिला अध्यापिका इमानदार, सेवाभावी, समय की पाबन्द, कर्तव्यनिष्ठ और मधुरभाषी समय–समय पर आयोजित होने वाले विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं बैठकों में भाग लेने वाली हो। उपरोक्त नियमों के अनुसार उन सभी महिलाओं व समुदाय की सर्व सहमति से अध्यापिकाओं का चयन किया गया। पाठशाला संचालन समय व स्थान का चयन सभी महिलाओं की सर्व सहमति से स्थान व समय तय किया गया।
- समय–समय पर हर तीसरे माह अध्यापिकाओं व कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण व शैक्षिणक भ्रमण भी करवाया जाता हैं।
- पाठय क्रम तैयार करने के लिए ओ.एल.पी. का रिसोर्स किट व संस्थान व एस.आर.टी.टी. से बार–बार रिसोर्स व्यक्ति द्वारा पाठ्यक्रम तैयार किया जाता हैं। रिपॉर्ट व दस्तावेज भी तैयार किया गया।
- ग्रामीण महिला विकास संस्थान के घनश्याम सादावत समय–समय पर कार्यक्रम मॉनिट्रींग करते हुए उचित मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। जिससे कार्यक्रम को सुनिश्चित तरीके से संचालित किया जा रहा हैं। सभी अध्यापिकाओं को दिशा निर्देश दिया जाता हैं।

- ओ.एल.पी. का रिसोर्स किट जो कि सरकारी विद्यालयों में उपयोग हों रहा हैं वही पाठ्यक्रम महिला साक्षरता केन्द्रों पर उपयोग किया जाता हैं जिसका प्रशिक्षण के दौरान अध्यापिकाओं को ग्राम रलावता में राजकीय विद्यालयों का अवलोकन व उपयोग में लेने का तरीका बताया गया। जिससे अध्यापिकाओं का मनोबल बढ़ा।

## परियोजना के शुरूआत से पहले की स्थिति

परियोजना के शुरूआत से पहले महिलाओं को अक्षर ज्ञान नही था। उन्होने कभी भी शिक्षा ग्रहण करने के बारे में सोचा भी नही था। क्षैत्र की महिलाएं अधिकतर दूसरे लोगों पर निर्भर रहती थी अपना नाम आदि नही लिख पाती, अपने हस्ताक्षर नही कर पाती। किसी प्रकार की चिट्टी पत्री या अपने दस्तावेज जैसे पहचान पत्र, आधार कार्ड, जॉब कार्ड पेंशन की रसीद या बैंक या डाक घर की पास बुक को पढ़कर उनकी पहचान भी नही कर पाती और इनको यह लगता था कि हमारी पढ़ने लिखने की उम्र भी निकल गई हैं। अब हम पढ़ लिख नही सकती। हमें हमारी जिन्दगी इसी तरह गुजारनी हैं। हमारी पढ़ाई लिखाई का जीवन में कोई महत्व नही हैं। अपने स्वयं सहायता समूहों की बैंठकों आदि में मुंशी लेखाकार आदि पर निर्भर रहती थी।

## परियोजना की वर्तमान स्थिति

महिलाएं अब धीरे-धीरे पढ़ने लिखने लगी हैं व उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा हैं उन्हे अपने आप पर यह विश्वास हो गया कि पढ़ने लिखने की कोई उम्र नही होती हैं केवल अपना आत्म विश्वास व प्रयासरत रहने से हम पढ़ना लिखना भी सीख गई हैं वर्तमान में इन केन्द्रों पर 400 से अधिक महिलाओं ने अपना नाम लिखना सीख गई हैं। और नियमित पाठशाला से जुड़ने वाली महिलाए आज अखबार, किताबें आदि पढ़ने लग गई हैं। अपने परिवार के सदस्यों की सूची क्रमवार, उम्र व सम्बन्ध सहित विवरण में सूची बनाने लग गई हैं। अपने महिला स्वयं सहायता समूहों के लेखा सम्बन्धी एवं अन्य रजिस्टरों को स्वयं लिखने व पढ़ने का अभ्यास करने लग गई हैं। साथ ही अपनी स्वयं की पास बुक आदि को पढ़कर अपना हिसाब स्वयं कर लेती हैं।

# महिला स्वयं सहायता समूह गठन कार्यक्रम
# Woman Self Help Group Formation Programme

## पृष्टभूमि

ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी, अजमेर जिले की श्रीनगर, सिलोरा, भिनाय व पीसागंन पंचायत समितियों के लगभग 300 गांवों में महिला स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम विभिन्न संस्थाओं के वित्तीय सहयोग एवं मार्गदर्शन से पिछले 16 वर्षो से संस्थान द्वारा संचालित किया जा रहा हैं। संस्थान द्वारा वर्तमान में 1950 महिला स्वयं सहायता समूहों का गठन किया जाकर एवं उनको बैंकों से लिंकेज करवाकर उक्त समूहों का सफल संचालन किया जा रहा हैं। विभिन्न सरकारी एवं गैर–सरकारी संस्थाओं जैसे–नाबार्ड, अरावली, सर रतन टाटा ट्रस्ट, सी.एम.एफ., यू.एन.डी.पी. एवं अन्य सम्बन्धित संस्थाओं के द्वारा उक्त कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए वित्तीय सहयोग एवं तकनीकि प्रशिक्षण व मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा हैं। महिला स्वयं सहायता समूहों के कुशल संचालन के लिए संस्थान द्वारा महिला फेडरेशन का गठन किया गया हैं। समूह विवरण निम्न प्रकार हैं–

| क्र.सं. | वित्तिय वर्ष | समूह संख्या | वित्तिय सहयोग | पंचायत समितियाँ | जिला |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | 2004 | 50 | नाबार्ड–जयपुर | श्रीनगर | अजमेर |
| 2. | 2007 | 200 | नाबार्ड–जयपुर | श्रीनगर, सिलोरा, भिनाय | अजमेर |
| 3. | 2013 | 300 | नाबार्ड–जयपुर | श्रीनगर, सिलोरा, भिनाय, पीसांगन | अजमेर |
| 4. | 2015 | 300 | नाबार्ड–जयपुर | रियाबड़ी, परबतसर | नागौर |
| 5. | 2015 | 100 | नाबार्ड–जयपुर | श्रीनगर, सिलोरा, भिनाय, पीसांगन | अजमेर |
| 6. | 2016 | 1000 | नाबार्ड–जयपुर | श्रीनगर, सिलोरा, भिनाय, पीसांगन, अरांई | अजमेर |
| | **कुल समूह** | **1950** | | | |

## पृष्टभूमि

संस्थान के पास कुल 1950 महिला स्वयं सहायता समूह संचालित हैं। वित्तीय वर्ष 2015–2016 तक संस्थान द्वारा लगभग 35 करोड़ रूपयों का बैंक ऋण विभिन्न बैंकों यथा–आई.सी.आई.सी.आई., यूनियन बैंक, बडौदा ग्रामीण बैंक, एच.डी.एफ.सी. बैंक आदि से दिलवाया जाकर महिला सशक्तिकरण महिला आत्मनिर्भरता, महिला स्वरोजगार के क्रम में उत्कृष्ट कार्य किया हैं जिसका प्रमाण संस्थान द्वारा प्राप्त विभिन्न अवार्ड एवं प्रमाण पत्र हैं।

## उद्देश्य

- महिलाओं को समूह के माध्यम से संगठित करना एवं महिला मंच का गठन करना।
- परिवार एवं समाज में महिलाओं की सामाजिक व आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाना एवं परिवार एवं समाज में महिलाओं की भूमिका के प्रति लोगों का जागरूक करना।
- विभिन्न सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थाओं की योजनाओं एवं कार्यक्रमों और गतिविधियों में महिलाओं की भूमिका सुनिश्चित कर महिलाओं को उनमें सहभागी बनानें के क्रम में काम करना।
- विभिन्न प्रशिक्षणों के माध्यम से महिलाओं का क्षमता वर्द्धन करना ताकि वह अपना एवं अपने परिवार के विकास में सहयोगी बन सके।
- महिलाओं को शिक्षा के प्रति जागरूक कर उन्हें साक्षर एवं शिक्षित बनाना ताकि वह अपना एवं अपने समूह के आपसी हिसाब आदि की जानकारी रख सके।
- महिलाओं का समूहों से जुड़ाव करके एवं उन्हें बैंक से लिंकेज करवा कर ऋण उपलब्ध करवाना जिससे महिलाएं आत्मनिर्भर बन सके।
- महिलाओं को स्वरोजगार के प्रति जागरूक करना।
- महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करवाना।
- महिलाओं एवं समूहों द्वारा शुरू किये व्यवसाय से उत्पन्न उत्पादों को उचित बाजार एवं उचित कीमत उपलब्ध करवाना आदि।

## रणनीति

- प्राथमिकता के आधार गांवों एवं महिलाओं का समूह गठन के लिए चयन।
- मासिक बैठकों का आयोजन कर बचत के लिए प्रेरित कर प्रोत्साहन ।
- समूहों का दस्तावेजीकरण एवं लेखा-जोखा तैयार करना।
- विभिन्न प्रशिक्षण आयोजित कर महिलाओं को सहभागी बनाकर प्रशिक्षित करना।
- समूहों की महिलाओं को विभिन्न सरकारी एवं गैर-सरकारी गतिविधियों में ज्यादा से ज्यादा सहभागी बनाना।
- बैंक से लिंकेज करके ऋण उपलब्ध करवाना।
- अन्य आवश्यक एवं उचित मदद करना।

## उपलब्धियाँ

- समूहों का गठन।
- समूहों का बैंकों से लिंकेज किया गया।
- बैंकों से समूहों को ऋण उपलब्ध करवाना।
- छोटी-छोटी बचतों के लिए तैयार करना।
- महिलाओं की समूह के प्रति समझ विकसित करना।
- महिलाओं को प्रशिक्षित किया जाना।
- लोगों में समूह के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना।
- महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक, शैक्षिक एवं स्वास्थ्य के प्रति आत्मनिर्भर बनाना।

- लोगों को साहूकारों के चंगुल से छुटकारा दिलवाना।

## गतिविधियाँ

**समूह गठनः**– नाबार्ड के सहयोग एवं मार्गदर्शन से ग्रामीण महिला विकास संस्थान के द्वारा 1950 समूहों का गठन किया जा चुका हैं। यह समूह श्रीनगर, सिलोरा, भिनाय व पीसांगन, रियाबड़ी, अरांई पंचायत समितियों की विभिन्न ग्राम पंचायतों के अधीन अलग–अलग गांवों में संचालित किये जा रहे हैं।

**समूह बचत खाताः**– उक्त संचालित समूहों को विभिन्न बैंकों से लिंकेज करवा कर उनका बचत खाता सम्बन्धित बैंकों में खुलवाया गया।

**बैंक ऋणः**– संस्थान द्वारा संचालित समूहों का बैंक लिंकेज करवाकर उन्हें स्वरोजगार आदि गतिविधियों एवं अन्य आवश्यक कार्यो के लिए बैंकों से ऋण उपलब्ध करवाया गया हैं।

**समूह सदस्य बीमाः**– संस्थान द्वारा उक्त समूह सदस्याओं का एल.आई.सी., एच.डी.एफ.सी., नेशनल इन्श्योरेन्स कम्पनी आदि के साथ मिलकर बीमा करवाया गया।

**प्रशिक्षणः**– संस्थान द्वारा महिला स्वयं सहायता समूह सदस्याओं को उनकी अलग–अलग क्षेत्रों में क्षमतावर्द्धन के क्रम में विभिन्न प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

# स्वयं सहायता समूह फैडरेशन का संवर्द्धन एवं लघुवित कार्यक्रम का एकीकरण
# Promotion of Self Help Group Federation and Consolidation of Micro Finance Programme

## पृष्टभूमि

ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी, अजमेर के द्वारा वर्ष 2011 में एक महिला फैडरेशन का गठन किया था। फेडरेशन का सोसायटी एक्ट में रजिस्ट्रेशन करवाया हैं। ग्रामीण महिला जाग्रति समिति ''फेडरेशन''–दांता में वर्तमान में ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी, अजमेर द्वारा गठित एवं सर रतन टाटा ट्रस्ट के वित्तीय सहयोग और सेन्टर फॉर माईक्रो फाईनेंस–जयपुर के मार्गदर्शन में संचालित महिला समूह

फेडरेशन को गठित हुए 05 साल हो गये हैं। फेडरेशन से अजमेर जिले की श्रीनगर एव सिलोरा पंचायत समितियों के 29 गाँवों में 240 स्वयं सहायता समूह जुड़े हुए हैं।

## लक्ष्य

ग्रामीण महिला जाग्रति समिति ''फेडरेशन''–दांता का गठन करने का मुख्य लक्ष्य एवं उद्देश्य महिलाओं के बेहद बड़े संगठन के रूप में अपनी समस्याओं का समाधान करना हैं और आजिविका के लिए नये–नये विकल्पों के साथ कार्य करके महिला सशक्तिकरण किया जाना हैं।

फेडरेशन के द्वारा वित्तीय वर्ष में विभिन्न गतिविधियाँ की गई जो निम्नलिखित हैं–

## समूह

ग्रामीण महिला जाग्रति समिति ''फेडरेशन'' – दांता के अन्तर्गत गठित 240 महिला स्वयं सहायता समूह की मासिक बैठके समय पर हो रही हैं समूह बैठको में समूह के सदस्य उपस्थित होते हैं। समूह बैंठको में सदस्य अपनी–अपनी समस्याओं, मुद्दों और सोच को समूह बैठको मे आदान प्रदान महिलाए करती हैं। और अपने–2 अनुभवों का भी आदान–प्रदान करने से समूह बैठकों में महिलाओं द्वारा बहुत कुछ एक–दूसरे से सीखना सिखाना होता है। समूह बैठकों से समूह के सदस्यों की वित्तीय स्थिति, वित्तीय मांग, गतिविधियाँ और रोजगार के नये नये तरीको के बारे में जानकारी मिलती हैं समूह बैठको में फेडरेशन अध्यक्ष, सचिव भी जाते हैं और समूह सदस्यों को प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं संस्थान और फेडरेशन दोनो मिलकर समूह सदस्यों को बचत करना, आत्मनिर्भर बनाना और रोजगार उपलब्ध करवाना तथा आजिविका वर्द्धन करने का कार्य कर रही हैं।

## कलस्टर

ग्रामीण महिला जाग्रति समिति ''फेडरेशन''–दांता के द्वारा 12 कलस्टर गठित किये हुए हैं। कलस्टर ग्राम स्तर पर गठित किये गए हैं जो संचालित महिला समूहों के लेखों–जोखों की जानकारी आदि सम्पूर्ण देखरेख करते हैं। समूह मूल्याकन, लेखा संधारण, प्रशिक्षण की मांग, बैंक ऋण की मांग, रोजगार गतिविधियों का आयोजन करवाने की मांग और ग्राम स्तर पर जो भी समूह सदस्यों की और ग्रामीणों की जो समूह सदस्यो से सम्बन्धित होती हैं उन मुद्दों व समस्याओं पर चर्चा, विचार विमर्श करके समाधान निकालने के लिए कलस्टर कार्य करता हैं और समूह को फेडरेशन से जोडने का कार्य करता हैं कलस्टर अपने समूहों को अन्य संस्थाओं के साथ भी जोडने का काम करता हैं। क्योंकि कलस्टर ग्राम स्तर पर गठित महिला समूहो का संगठन होता हैं।

## मूल्यांकन ''ग्रेडिंग''

ग्रामीण महिला जाग्रति समिति ''फेडरेशन''–दांता के द्वारा संचालित 240 समूहों में से 200 समूहो का मूल्यांकन किया गया हैं। मूल्यांकन करने के बाद जिन समूहों में कुछ कमिया निकली हैं उनको दूर करने के लिए फेडरेशन कार्य योजना तैयार करके उन समूहो की कमियों को दूर करने पर कार्य करता हुआ ऐसे समूहों का मार्गदर्शन करता हैं। फेडरेशन से जुडे सभी समूह सुचारू रूप से संचालित हो रहे हैं। जो अच्छे समूह हैं उनको कमजोर समूह के सदस्यों के साथ चर्चा एवं विचारों का आदान–प्रदान करवाते हैं जिससे कि कमजोर समूह को विभिन्न जानकारियाँ मिल सके।

## ऑडिट

ग्रामीण महिला जाग्रति समिति ''फेडरेशन-दांता से जुडे समूहो की वित्तीय वर्ष में ऑडिट की गई। समूहो की ऑडिट फेडरेशन मेनेजर, फेडरेशन लेखाकार, फेडरेशन के समन्वयको के द्वारा की गई । समूहों की ऑडिट करने के बाद समूह लाभ समूह सदस्यों में वितरण किया गया ताकि समूह से जुडे सदस्यों को समूह से आर्थिक लाभ मिलने से संचालन पर विशेष जोर देने लगे है। ऑडिट से समूह के लेन-देन की वास्तविक स्थिति की जानकारी समूह सदस्यों और उनके परिवार को समूह से मिलने वाले लाभ व फेडरेशन तथा बैंकों को भी समूह ऑडिट से समूह की गुणवता के बारे में वास्तविक स्थिति का पता लग जाता हैं।

# वित्तीय सामर्थ्य कार्यक्रम
# (Financial Capability Programme)

## पृष्टभूमि

जी.आई.जेड. के वित्तीय सहयोग से एवं सेन्टर फॉर माईक्रो फाईनेन्स जयपुर के तकनीकी मार्गदर्शन से ग्रामीण महिला विकास संस्थान द्वारा संचालित 150 महिला स्वंय सहायता समूहो से जुडे 1500 परिवारों को वित्तीय सामर्थ्य कार्यक्रम से जोडने का लक्ष्य रखा गया। कार्यक्रम के तहत 1314 परिवारों का वित्तीय क्षमता बैस लाइन सर्वे किया गया। यह सर्वे पंचायत समिति श्रीनगर एवं सिलोरा के 13 गाँवों मे किया गया।

## उद्देश्य

वित्तीय सामर्थ्य कार्यक्रम के उद्देश्य निम्न प्रकार है -

- महिला स्वंय सहायता समूह सदस्यों द्वारा वित्तीय क्षमता पर विचार विमर्श।
- सरकारी व सामाजिक सुरक्षा सहयोग के साथ जुड़ाव।
- बैंक खाता उपयोग के साथ व्यवहार परिवर्तन का अभ्यास करना।
- सशक्त वित्तीय प्रबन्धन एवं जीवन की आवश्यकता अनुसार योजना बनाने मे मदद करना।
- लघु बीमा को बढावा देना।
- श्रद्धा का बुद्धिमता से उपयोग।
- भविष्य की योजनाओं का निर्माण।
- पारिवारिक बजट बनाना।
- समुदाय के निर्णयों में भागीदारी बढाना।
- कोशलता को बढ़ावा देना।
- अवधारणाओं को बदलना।

वित्तीय सामर्थ्य परियोजना के तहत चयनित 13 गाँवों मे महिला स्वंय सहायता समूहों के पदाधिकारियो से सम्पर्क किया गया। कलस्टरों में वित्तीय सामर्थ्य कार्यक्रम की जानकारी दी गई एवं प्रत्येक गांवों में एफ.सी.सी. परिवार खुशहाल सखी/मित्रों का चयन किया गया।

## मुख्य गतिविधियाँ :

इस कार्यक्रम की मुख्य गतिविधिया निम्न प्रकार है –

- एफ.सी.सी. परिवार खुशहाल सखी/मित्रों का प्रशिक्षण करना।
- एफ.सी.सी. परिवार खुशहाल सखी/मित्रों की मासिक बैठके करना।
- एल.सी. (लोकेशन कोर्डिनेटर) द्वारा नियमित फिल्ड विजिट करना।
- परिवारों का वित्तीय क्षमता बैस लाइन सर्वे करना।
- डाटा एन्ट्री 6, फैडरेशन सदस्यों व स्टाफ का आमुखीकरण प्रशिक्षण करना।
- 1314 परिवारों को एफ.सी.सी. परिवार खुशहाल सखी/मित्रों द्वारा वित्तीय सलाह (वित्तीय काउंसलिंग) से जोड़ा गया।
- वित्तीय सामर्थ्य कार्यक्रम के अनुभव बांटना।

वित्तीय सामर्थ्य कार्यक्रम मे समझ विकसित करने हेतु परिवार खुशहाल सखी/मित्रों का अलग-अलग विषय वस्तुओं पर प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें फैडरेशन पदाधिकारी व सदस्यों का आमुखीकरण प्रशिक्षण, परिवार खुशहाल सखी/मित्रो का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

### वित्तीय क्षमता बैस लाइन सर्वे

परिवार खुशहाल सखी/मित्रो द्वारा 13 गांवों मे 1314 परिवारो की वित्तीय क्षमता बैस लाइन सर्वे किया गया एवं डाटा एन्ट्री की गई। तत्पश्चात सभी 1314 परिवारों की रिर्पोट कार्ड आने के बाद वित्तीय सलाह से जोड़ा गया।

### परिणाम

- ✓ फालतू खर्चो मे कुछ हद तक कमी करना।
- ✓ परिवारों मे मासिक छोटे-छोटे बजट बनाना।
- ✓ परिवारों मे तालमेल बढ़ा।
- ✓ सरकारी योजनाओं मे जुड़ाव हुआ।
- ✓ खर्च करने से पुर्व बार-बार सोचना।
- ✓ प्राथमिकता के आधार पर खर्च करना।
- ✓ आत्मविश्वास बढ़ा।
- ✓ वित्तीय सामर्थ्य की चर्चा कलस्टर व परिवारों मे शुरू करना।
- ✓ स्वयं सहायता समूह से जुडी महिलाएँ एफ.सी.सी. को मददगार समझने लगी।

# वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम
# (Financial Literacy Programme)

## पृष्ठभूमि

राजस्थान राज्य के अजमेर जिले की सिलोरा पंचायत समिति के गाँव सामाजिक आर्थिक स्थिति से पिछड़े हुए ग्रामीण क्षैत्र हैं। वित्तीय साक्षरता का अभाव हैं। इसलिए सिलोरा पंचायत समिति के 20 गाँवों में राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक ''नाबार्ड'' जयपुर एवं सैण्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लि0 अजमेर के वित्तीय सहयोग से एवं ग्रामीण महिला विकास संस्थान बूबानी द्वारा दिनांक 01.03.2016 से 10.03.2016 तक गाँवों में वित्तीय साक्षरता अभियान चलाकर ग्रामीण क्षैत्र के गरीब लोगों को वित्तीय समावेशन के तहत वित्तीय सेवाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जिसमें सुक्ष्म बीमा, बचत पैंशन योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, संयुक्त देयता समूह, स्मार्ट कार्ड, स्वयं सहायता समूह गठन व बैंक लिंकेज कार्यक्रम, प्रधानमंत्री जन-धन योजना, प्रधानमंत्री ज्योति बीमा योजना, अटल पैशन योजना आदि योजनाओं की जानकारी देना व गरीब लोग जो वित्तीय साक्षर हुए उनका बैंक में खाता खुलवाना व अन्य वित्तीय सेवाओं से जोड़ना उक्त वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हैं। उद्देश्यों की पूर्ति हैंतु गाँवों में वित्तीय साक्षरता अभियान चलाया गया। अभियान का शुभारम्भ सैण्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लि0 अजमेर के अध्यक्ष मदन गोपाल चौधरी सी.सी.बी. बैक के प्रबन्धक विनोद कुमार सी.सी.बी. बैंक के पूर्व अध्यक्ष गणेश चौधरी सी.सी.बी. बैंक के डायरेक्टर हरिराम चौधरी व बैंक अधिशाषी अधिकारी विनोद गुप्ता ने वित्तीय साक्षरता जागरुकता रथ को हरी झण्ड़ी दिखाकर रवाना किया इस अवसर पर संस्थान सचिव शंकरसिंह रावत ने कहा कि वित्तीय साक्षरता अभियान के तहत वित्तीय प्रबन्धन व वित्तीय सेवाओं से लोगो के जुड़ाव हैतु जागरुक किया जायेगा। उन्होने बताया कि अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक व पपेट शो के माध्यम से गरीब लोगों को बैंकों से जुड़ने के फायदे व स्वयं सहायता समूह गठन प्रकिया, बचत, किसान क्रेडिट कार्ड़ सुक्ष्म बीमा, प्रधानमंत्री जन-धन योजना, अटल पैंशन योजना आदि योजनाओं का प्रचार प्रसार व इसके प्रति जागरुक किया जायेगा।

## कार्यक्रम के उद्देश्य

वित्तीय साक्षरता अभियान का मुख्य उद्देश्य है कि ग्रामीण क्षैत्र में गरीब लोगो को सीधा बैंकों से जोड़ना एवं उन्हे गरीबी के अभिशाप से मुक्त करना। वित्तीय साक्षरता एवं सुलभ उपलब्धता के माध्यम से ही वित्तीय समावेशन को सुविधाजनक बनाना, इस वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम का प्रयोजन आम आदमी को जानकारी प्रदान करना हैं ताकि वित्तीय सेवायें लोगों की पहुँच में हो सके एवं उपलब्ध हो सके। वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम के तहत

नाबार्ड बैंक के द्वारा व सरकार द्वारा संचालित वित्तीय योजनाओं की जानकारी दी जिसमें बचत का महत्व स्वयं सहायता समूह गठन प्रक्रिया, बैंक से समूह का जुडाव व बैंक से ऋण प्राप्त करने की जानकारियाँ आदि से लोगों को अवगत कराया गया। जिसमें प्रमुख निम्न प्रकार हैं-

- ✓ स्वयं सहायता समूह का बैंक लिंकेज कार्यक्रम प्रक्रिया।
- ✓ बैंक में खाता खुलवाने की प्रक्रिया।
- ✓ अटल पैंशन योजना।
- ✓ स्वयं देयता समूह ।
- ✓ प्रधानमंत्री जन-धन बीमा योजना।
- ✓ किसान क्रेडिट कार्ड योजना।
- ✓ श्रमिक कार्ड योजना।

उक्त जानकारियाँ सहित अन्य सम्बन्धित जानकारियाँ से अवगत कराते हुए प्रचार-प्रसार किया गया एवं आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में उक्त योजनाओं की जानकारी के साथ-साथ पम्पलेट, पोस्टर आदि वितरण किये गये। इसी दौरान बच्चों के साथ योजनाओं से जुडी जानकारियों के तहत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की

## पंचायत समिति क्षेत्र - भिनाय

### पृष्ठभूमि

जिला मुख्यालय से दक्षिण दिशा में 80 किलोमीटर दूर नेशनल हाईवें नं. 79 से 11 किलोमीटर पूर्व में पंचायत समिति भिनाय स्थित हैं जहाँ का क्षेत्र पहाड़ी तथा कम उपजाऊ हैं। साथ ही कुछ क्षेत्र में ऊसर भूमि हैं। क्षेत्र में नजदीकी शहर नही होने से आय के संसाधनों में कमी हैं। यहाँ के लाग पशुपालन से अपनी आजिविका चलाते हैं। पशुपालन में मुख्यत: छोटे पशुओं का पालन अधिक करते हैं। जिसमें बकरी पालन मुख्य हैं। संस्थान शिक्षा स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण पर अधिक कार्य कर रहा हैं। संस्थान भिनाय क्षेत्र में 70 गाँवों में विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों का कुशल एवं सफल संचालन कर रही हैं। वर्तमान में मुख्य रूप से महिला स्वयं सहायता समूहों पर विशेष कार्य किया जा रहा हैं जिसका विवरण निम्न प्रकार हैं-

### कार्यक्रम पृष्ठभूमि

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक ''नाबार्ड''-जयपुर के वित्तीय सहयोग से ग्रामीण महिला विकास संस्थान-बूबानी द्वारा भिनाय में संचालित पूर्व में लगभग 80 गाँवों में महिला स्वयं सहायता समूह संचालन कार्यक्रम के साथ-साथ 20 नये स्वयं सहायता समूह गठित किये गये हैं। संस्थान सन् 2004 से इस क्षेत्र में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले गरीब श्रेणी के लोगों को रोजगार से जोडने हेतु विभिन्न विकास योजनाएं बना कर उनके सफल संचालन एवं लोगों को राहत पहुँचाने के क्रम में अनेकानेक गतिविधियाँ सुचारू रूप से संचालित

कर इस क्षेत्र में काम किया हैं। जिसमें जल संरक्षण, बकरी पालन, वर्मीकम्पोज्ड आदि शामिल हैं। वर्तमान में भी गरीब असक्षम समुदाय की महिलाओं को संगठित कर उनको महिला स्वयं सहायता समुह से जोडकर उनमें नियमित बचत करने की आदत डालकर आर्थिक रूप से सशक्त करने हेतु प्रयास किया जा रहा हैं। इस प्रकार भिनाय क्षैत्र में 300 SHG फेडरेशन के माध्यम से संचालित है।

## कार्यक्रम के उद्देश्य

- ❖ महिलाओं को शिक्षा के प्रति जागरूक करके उनके बच्चों को शिक्षित करने के लिए प्रेरित करना।
- ❖ महिलाओं को स्वयं सहायता समूह बनाकर छोटी-2 मासिक बचतों के लिए प्रेरित करना।
- ❖ महिलाओं को जीविका उपार्जन के लिए प्रेरित करना एवं उन्हे मार्गदर्शित करना।
- ❖ महिलाओं को सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर योजना से लाभान्वित करने हेतु प्रेरित करना व सरकारी कार्यक्रमों में उनकी भगीदारी बढ़ाना।
- ❖ महिलाओं की समाज में आर्थिक व सामाजिक स्थिति बेहतर बनाना।

## रणनीति

- ❖ मासिक बैठकों का आयोजन व नियमित बचत के लिए प्रेरित करना।
- ❖ स्वयं सहायता समूह का दस्तावेजीकरण, लेखा-जोखा रखना।
- ❖ सरकारी योजना की जानकारियाँ व जुड़ाव।
- ❖ साहुकार के अधिक ब्याज से छुटकारा पाने के तरीकों के प्रति समझ बनाना।
- ❖ बैंक से जुड़ाव व ऋण उपलब्ध करवाना।
- ❖ आपसी लेन-देन मे समझ विकसित करना।
- ❖ समूह से वंचित महिलाओं से सम्पर्क करना एवं लघु बैठके करना।

## उपलब्धियाँ

- ➢ महिला स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया।
- ➢ साहुकारों द्वारा लिए जा रहे अधिक ब्याज से समूह के आन्तरिक ऋण एवं बैंक ऋण द्वारा महिलाओं एवं उनके परिवारों को छुटकारा दिलाना।
- ➢ महिला समूहों का बैंकों से जुड़ाव करवाना।
- ➢ महिलाओं में आपसी लेन-देन की समझ विकसित हुई।
- ➢ महिला स्वयं सहायता समूहों की नियमित बैंठकों का आयोजन।
- ➢ बचतों एवं ऋण राशि का अच्छे एवं प्राथमिकता के आधार पर उपयोग।
- ➢ महिलाओं में आत्मनिर्भरता एवं आत्मविश्वास की भावना का विकास।

## गतिविधियाँ

### समूह गठन

संस्थान द्वारा भिनाय पंचायत समिति में संचालित 120 महिला स्वयं सहायता समूह के साथ-साथ नाबार्ड़ के वित्तीय सहयोग से 20 नये समूह गठित किये गए हैं।

### प्रशिक्षण

स्वयं सहायता समूह के नेतृत्व विकास क्षमतावर्धन हेतु लघु प्रशिक्षण दिये गये जिसमें सदस्यों की क्षमतावर्धन, बैंक खाता खुलवाना, आन्तरिक ऋण, बैंक ऋण, विभिन्न सरकारी एवं गैर-सरकारी योजनाओं की जानकारी व उन योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए प्रकिया की जानकारी एवं अन्य गतिविधियाँ जिसमें छोटे पशुपालन से आय वृद्धि के तरीके व रखरखाव आदि के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित कर महिलाओं को भागीदार बना कर लाभान्वित किया गया।

## किसान उत्पादक संगठन संवर्द्धन कार्यक्रम
## जिला- नागौर एवं अजमेर''

### पृष्ठभूमि

राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक ''नाबार्ड'' के वित्तिय सहयोग एवं मार्गदर्शन से ग्रामीण महिला विकास संस्थान-बूबानी के तत्वावधान में राजस्थान राज्य के अजमेर एवं नागौर जिले में संस्थान ने 01 जनवरी 2016 में नाबार्ड के साथ मिलकर कार्य शुरू किया। नागौर जिले की 02 पंचायत समितियों यथा रिया बडी एवं परबतसर और अजमेर जिले की भिनाय पंचायत समिति के ग्रामीण क्षैत्रों में संस्थान द्वारा निम्नांकित गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं-

### किसान प्रोड्यूसर कम्पनियॉ

नागौर जिले की उक्त पंचायत समितियों के 05 गाँवों में जिसकी सूची नीचे दी गई हैं में किसान प्रोड्यूसर कम्पनियाँ पंजीकृत करवाई गई हैं जो निम्न प्रकार हैं-

| क्र.सं. | गाँव का नाम | कम्पनी का नाम |
|---|---|---|
| 1. | पीह | पीह एग्रो फूड प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड |
| 2. | राताढूण्ढा | राताढूण्ढा एग्रो फूड प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड |
| 3. | कसवा की ढ़ाणी | निरन्तर एग्रो फूड प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड |
| 4. | ढ़ाणीपुरा | ढ़ाणीपुरा एग्रो फूड प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड |
| 5. | रघुनाथ पुरा | लोकजन एग्रो फूड प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड |

इसी प्रकार अजमेर जिले की भिनाय पंचायत समिति के 04 गाँवों में भी उक्त तरह की गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं जिसके तहत 04 किसान प्रोड्यूसर कम्पनियाँ बना कर पंजीकृत करवाई गई हैं जो निम्न प्रकार हैं–

| क्र.सं. | गाँव का नाम | कम्पनी का नाम |
|---|---|---|
| 1. | भैरू खेड़ा | भैरूखेड़ा एग्रो फूड प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड |
| 2. | उदयपुर खेड़ा | उदयपुर खेड़ा एग्रो फूड प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड |
| 3. | खायड़ा | खायड़ा एग्रो फूड प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड |
| 4. | रैण | रैण किसान समृद्धि प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड |

## कार्यक्रम के उद्देश्य

- ❖ कृषक उत्पादक संगठनों, कम्पनियों को प्रारम्भिक अवस्था के दौरान अपेक्षित वित्तीय और गैर वित्तिय सहायता प्रधान करना।
- ❖ कृषक उत्पादक संगठनों के सम्बन्ध में–
  - ➢ जागरूकता पैदा करना।
  - ➢ क्षमता निर्माण करना।
  - ➢ तकनीकी सहायता प्रदान करना।
  - ➢ पेशेवर प्रबन्धक उपलब्ध कराना
  - ➢ बाजार तक पहुँच उलपब्ध कराना।
  - ➢ विनियामक अपेक्षाए।
  - ➢ कृषक उत्पादक संगठनों/कम्पनियों की 3 वर्षो तक हैण्ड़ होल्डिंग प्रदान करना आदि।

# एफपीओ के संवर्धन तथा विकास की प्रक्रिया

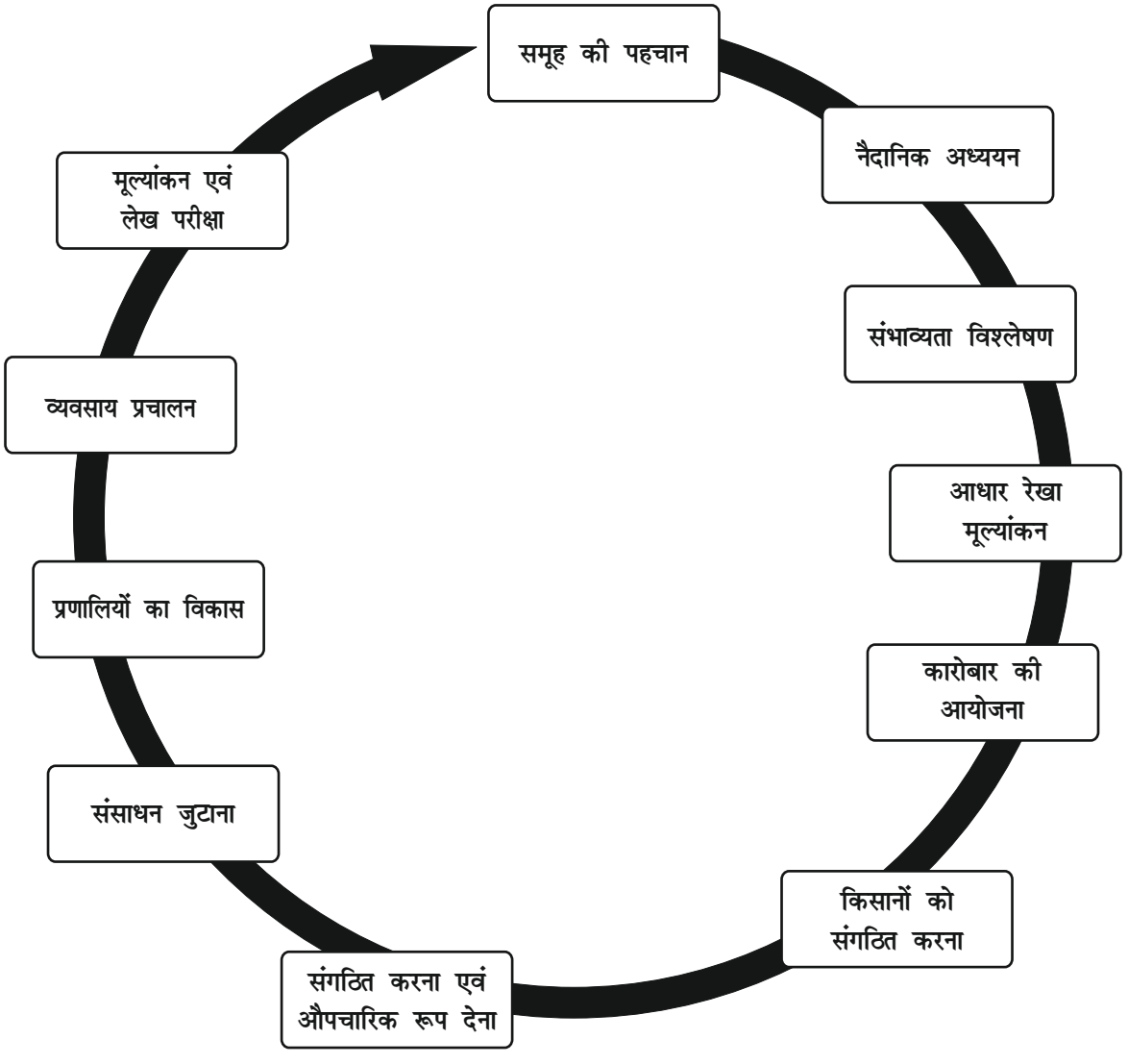

GMVS

# केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड-जयपुर एवं श्रम मंत्रालय ''भारत सरकार''
# Central Labour Education Board-Jaipur & Labour Ministry " Government of India"

## पृष्ठभूमि

केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड-जयपुर के द्वारा ग्रामीण महिला विकास संस्थान के महिला स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को महिला अधिकार, महिला कानूनों पर, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर, महिलाओं को सरकार के द्वारा मिलने वाली स्कीमों पर विभिन्न गाँवों में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में भाग लेने वाली महिलाओं को केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड-जयपुर द्वारा प्रतिदिन 100/- दैनिक भत्ता भी दिया गया। दो दिवसीय प्रशिक्षण में दो दिन के लिए एक महिला को 200/- मिलते थे। यह रू. उनके बचत खाते में श्रम मंत्रालय द्वारा डाला जाता था ताकि महिलाएं बैंक से पैसा निकाल सके एवं उनके खाते में लेन-देन करने से बचत खाता चालू रहे और इस माध्यम से प्रत्येक महिलाओं को 200/- प्रतिदिन मिले। कुल 500 महिलाओं को 200 के हिसाब से लगभग दो लाख रूपये प्रदान किये गये।

## संस्थान की मुख्य उपलब्धियाँ एवं गतिविधियाँ

- ग्राम विकास कमेटी, महिला स्वयं सहायता समूहों आदि का गठन करना।
- बाल श्रमिक उन्मूलन एवं उनको शिक्षा की मुख्य धारा से जुडाव एवं मासिक स्टाईफण्ड उपलब्ध कराना।
- जन चेतना, पर्यावरण चेतना, स्वास्थ्य, कृषि, पल्स पोलियो, टीकाकरण आदि से जुडे विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी अभियानों में महत्ती भूमिका निर्वाह करना।
- उन्नत कृषि तकनीक एवं उन्नत नस्ल के पशुपालन की जानकारी देकर सम्बन्धित समुदाय को प्रेरित करना।
- लोगों को साहूकारों के चंगुल से बचाने के क्रम में अधिक से अधिक महिला स्वयं सहायता समूहों का गठन करके कम ब्याज दरों पर विभिन्न बैंकों से सहजता से ऋण उपलब्ध कराना।
- ग्रामीण समुदाय को नि:शुल्क चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना।
- ग्रामीण समुदाय की महिलाओं को सुरक्षित प्रसव की जानकारी देकर प्रेरित करना।
- मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाना।
- किसान क्लब एवं किसान उत्पादक कम्पनियों के गठन द्वारा लोगों को जागरूक कर किसानों की उपजों के लिए बाजार उपलब्ध कराना एवं उन्नत बीज आदि की जानकारी देना।
- छात्र-छात्राओं एवं लोगो की समझ एवं ज्ञान बढानें के लिए पुस्तकालय कार्यक्रम के द्वारा रचनात्मक कौशल एवं ज्ञानवर्धक पुस्तके, पत्र-पत्रिकाएँ आदि सामग्री उपलब्ध कराना एवं उनके कुशल प्रयोग एवं उपयोग हेतु प्रेरित करना।
- स्वयं सहायता समूहों द्वारा उत्पादित विभिन्न सामग्री एवं उत्पादों के विक्रय हेतु बाजार उपलब्ध कराना।

- लोगों में वित्तीय जागरूकता ला कर उन्हे योजनाबद्ध रूप से खर्चे करने एवं सुरक्षित भविष्य के लिए उचित बचत के लिए प्रेरित करना।
- रात्रि पाठशालाओं के माध्यम से ग्रामीण अंचल की अशिक्षित महिलाओं को साक्षर करना।
- सुरक्षित यौन सम्बन्ध हेतु अभियान चला कर लोगों को प्रेरित करना एवं इसके अभाव के कारण उत्पन्न खतरों की जानकारी देना। जैसे–एड्स आदि।
- एड्स के कारण लोगों में व्याप्त विभिन्न भ्रान्तियों को विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम एवं नुक्कड नाटकों के माध्यम से दूर करना।
- वर्मीकम्पॉज्ड खाद के उपयोग के लिए प्रेरित करना।
- उक्त सभी एवं अन्य विभिन्न गतिविधियों के सफल एवं कुशल संचालन के परिणामस्वरूप विभिन्न सरकारी एवं गैर–सरकारी संस्थाओं एवं राज. सरकार व भारत सरकार द्वारा विभिन्न जिला स्तरीय, राज्य स्तरीय एवं राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कारों से संस्थान को सम्मानित किया जाना।

## संस्था की भावी सोच

- महिला स्वयं सहायता समहों का गठन और उन्हे और विकसित करना।
- किसान क्लबों को गतिशील बनाना।
- मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों को बढ़ावा देकर स्वास्थ्य सुधार करना।
- पर्यावरण एवं वन संरक्षण के क्रम में लोगों में चेतना लाकर जागृति लाना।
- जैविक खाद के उपयोग के लिए प्ररेणा देना।
- विभिन्न सरकारी एवं गैर–सरकारी योजनाओं एवं गतिविधियों में महिलाओं की भूमिका सुनिश्चित करके उन्हे सहभागी बनाना।
- स्वयं सहायता समूहों के सफल संचालन के लिए एवं उन्हे और सक्रिय करने के लिए फेडरेशन को और विकसित करना।
- पुस्तकालय कार्यक्रम को और अधिक विकसित कर विशेष रूप से विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बनाना।
- जल संरक्षण कार्यक्रमों एवं गतिविधियों और कार्यो को अधिक से अधिक प्रभावी एवं उपयोगी बनाना।
- महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के क्रम में विशेष प्रयास करना एवं महिलाओं को ज्यादा से ज्यादा लाभान्वित करना।
- बाल श्रम उन्मूलन एवं बाल श्रमिकों का शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ना।
- बालिका शिक्षा एंव महिला साक्षरता को बढावा देना।

## सहयोगी संस्थाएं

1. द् हंस फाउण्डेशन, नई दिल्ली।
2. नाबार्ड–जयपुर।
3. सेन्टर फॉर माइक्रोफाईनेन्स–जयपुर।
4. सर रतन टाटा ट्रस्ट–मुम्बई।
5. राजस्थान स्टेट एड्स कण्ट्रोल सोसायटी–जयपुर।
6. आई.सी.आई.सी.आई. बैंक–जयपुर।
7. जी.आई.जेड.–जर्मनी।
8. अरावली–जयपुर।
9. केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड–जयपुर।
10. भारतीय जीवन बीमा निगम–अजमेर।
11. राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान–जयपुर।
12. टाटा ए.आई.ए.सी.एस.आर.।

## संस्थान की वर्तमान कार्यकारिणी

| क्र.स. | पदाधिकारी का नाम | पद |
|---|---|---|
| 1. | श्री अनिल कुमार माथुर | अध्यक्ष |
| 2. | श्रीमती स्वाति शर्मा | उपाध्यक्ष |
| 3. | श्री शंकर सिंह रावत | सचिव |
| 4. | श्री शम्भूसिंह रावत | कोषाध्यक्ष |
| 5. | श्री मनोज शर्मा | कार्यकारिणी सदस्य |
| 6. | श्रीमती रतना देवी | कार्यकारिणी सदस्य |
| 7. | श्री ब्रिजेश कुमार अग्रवाल | कार्यकारिणी सदस्य |
| 8. | श्री आशिष कुमार | कार्यकारिणी सदस्य |
| 9. | श्रीमती कविता जैन | कार्यकारिणी सदस्य |

# GMVS को मान सम्मान, उपलब्धियाँ शानदार

- एक्सेज डवलपमेंट सर्विसेज, एक्सेज असिस्ट और एच.एस.बी.सी. इण्डिया, नई दिल्ली द्वारा 8 दिसम्बर 2015 में स्वयं सहायता समूह को लघुवित्त के क्षेत्र में योगदान हेतु माईक्रो फाईनेन्स इण्डिया अवार्ड व एक लाख रूपये नगद देकर सम्मानित किया।
- फ्रेन्डशिप फॉरम, नई दिल्ली द्वारा 9 जून 2016 में सामाजिक विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु राष्ट्र स्तरीय बेस्ट गॉल्डन पर्सन्लटी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा व प्रबन्धन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 6 अप्रेल 2016 को शिक्षा के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि हेतु राष्ट्र स्तरीय ज्वेल ऑफ इण्डिया पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र के द्वारा सम्मानित।
- नाबार्ड, जयपुर द्वारा 9 मार्च 2016 में स्वंय सहायता समूह बैंक लिंकेज कार्यक्रम मे सर्वश्रेष्ठ कार्य करने के लिए राज्य स्तरीय स्वयं सहायता समूह बैंक लिंकेज पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र से नवाजा।
- फाउन्डेशन फॉर एक्सिलरेटेड कम्यूनिटी एमपॉवरमेन्ट, नई दिल्ली द्वारा 28 अप्रेल 2014 में राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, सामाजिक विकास और **S.H.G.** लोन व बैंक लिंकेज मे सराहनीय योगदान के लिए राष्ट्रीय जन सेवा अवार्ड से सम्मानित।
- फाउन्डेशन फॉर एक्सिलरेटेड मास एमपॉवरमेन्ट द्वारा 13 दिसम्बर 2015 में राष्ट्रीय आर्थिक व सामाजिक विकास मे सराहनीय योगदान देने हेतु फेम एक्सीलेन्स अवार्ड से सम्मानित।
- नाबार्ड, जयपुर द्वारा 27 अप्रेल 2012 में राजस्थान मे स्वयं सहायता समूह बैंक लिंकेज कार्यक्रम के अन्तर्गत उत्कृष्ट कार्य निष्पादन हेतु गैर सरकारी संगठन-एस.बी.लिंकेज वर्ग में राज्य स्तरीय प्रथम पुरस्कार से नवाजा गया।
- फ्रेन्डशिप फॉरम, नई दिल्ली द्वारा 25 अप्रेल 2016 में शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण व पर्यावरण के क्षेत्र मे प्रशंसनीय उपलब्धियाँ प्राप्त करने हेतु भारत एक्सीलेन्स पुरस्कार व मेडल से सम्मानित।
- इकोनोमिक डवलपमेन्ट फॉरम के द्वारा 10 सितम्बर 2015 मे शिक्षा, स्वास्थ्य व सामाजिक सेवा क्षेत्र मे सराहनीय उपलब्धियाँ प्राप्त करने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर भारत गौरव अवार्ड से सम्मानित।
- ग्लोबल अचीवर्स फाउन्डेशन, नई दिल्ली के द्वारा 20 अप्रेल 2012 को शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण में बेहतर उपलब्धियों और सेवाओ हेतु एक्सीलेन्स अवार्ड फॉर नेशनल सोशल एक्टीविटी से सम्मानित।
- नाबार्ड, जयपुर के द्वारा 27 अप्रैल 2012 में राजस्थान मे स्वयं सहायता समूह बैंक लिंकेज कार्यक्रम के अन्तर्गत उत्कृष्ट कार्य निष्पादन हेतु राज्य स्तरीय क्रेडिट लिंकेज वर्ग में द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित।

- नेहरू युवा केन्द्र, अजमेर द्वारा 12 जनवरी 1997 को राष्ट्रीय युवा दिवस पर ग्रामीण विकास हेतु जिला स्तरीय प्रशंसा पत्र व पॉच सौ रूपये नगद से सम्मानित।
- अलमा, यूनाइटेड किंगडम द्वारा 22 फरवरी 2015 में महिला साक्षरता, बालश्रमिक अधिकार, स्वास्थ्य व महिला सशक्तिकरण के द्वारा सामाजिक व आर्थिक क्षेत्र मे असीम योगदान देने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर नेशनल एक्सीलेन्स अवार्ड से सम्मानित।
- उपखण्ड किशनगढ़ एरिया, अजमेर के द्वारा 15 अगस्त 2013 में शिक्षा, स्वास्थ्य व जल संरक्षण योजना मे बेहतर कार्य प्रस्तुत करने के लिए स्वतंत्रता दिवस पर जिला स्तरीय प्रशंसा प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह से सम्मानित।
- आई.सी.आई.सी.आई बैंक, मुम्बई से 25 मई 2013 में स्वयं सहायता समूह बैंक लिंकेज व ऋण उपलब्ध कार्यान्वयन निष्पादन में महत्वपूर्ण योगदान एवं प्रशंसनीय उपलब्धियो हेतु प्रशंसा पत्र व स्मृति चिन्ह से सम्मानित।
- इकोनोमिक डवलपमेन्ट फॉरम, नई दिल्ली द्वारा 11 अप्रेल 2013 में महिला सशक्तिकरण व आजीविका गतिविधि द्वारा सामाजिक सेवा का कार्य करने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर ग्लोबल अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित।
- जिला कलेक्टर, अजमेर द्वारा 26 जनवरी गणतंत्र दिवस 2013 में शिक्षा, स्वास्थ्य, आपदा प्रबन्धन, बाल अधिकार, महिला सशक्तिकरण एवं लघुवित्त पर राजस्थान मे प्रशंसापूर्ण कार्य कर सामाजिकता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र से सम्मानित।
- इण्डिया इन्टरनेशनल फ्रेन्डशिप सोसाइटी, नई दिल्ली से 29 अगस्त 2012 में बालश्रम उन्मूलन, पर्यावरण व स्वास्थ्य आदि के क्षेत्र में सेवाओ हेतु राष्ट्रीय स्तरीय राजीव गांधी एक्सीलेन्स अवार्ड से सम्मान प्राप्त।
- इन्टीग्रेटेड काउन्सिल फॉर सोशियोइकोनोमिक प्रोग्रेस, बेंगलोर द्वारा 25 नवम्बर 2012 में शिक्षा, स्वास्थ्य व आजिविका संवर्धन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रशंसनीय सेवा व सर्वश्रेष्ठ कार्य हेतु राष्ट्र स्तरीय मदर टेरेसा अवार्ड से सम्मानित।
- फॉरेस्ट डिपार्टमेन्ट अजमेर के द्वारा 29 अप्रेल 2010 में वन विकास व वन्य जीव संरक्षण के क्षेत्र मे सर्वश्रेष्ठ कार्य करने के लिए जिला स्तरीय फॉरेस्ट डवलपमेन्ट एण्ड प्रोटेक्शन पुरस्कार व पाँच सौ रूपये नगद से सम्मान प्राप्त किया।
- रावत पब्लिक शिक्षण संस्थान द्वारा 26 जनवरी 2016 में ग्रामीण आर्थिक व समाजिक विकास मे बेहतर योगदान हेतु स्मृति चिन्ह।

# GRAMIN MAHILA VIKAS SANSTHAN (GMVS)

## AJMER (RAJ.)

## Organizational Structure

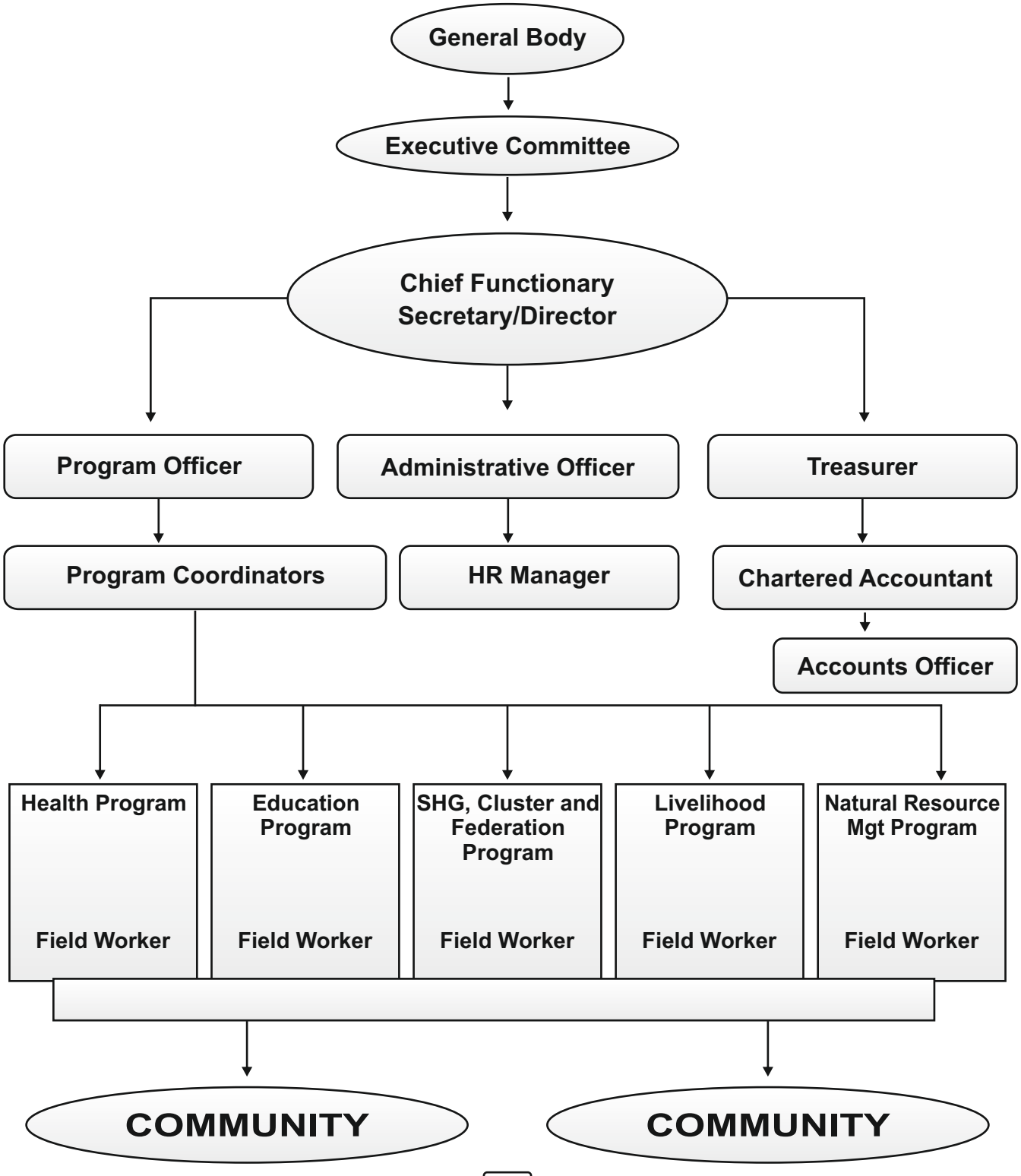

GMVS

# GRAMIN MAHILA VIKAS SANSTHAN

## ABRIDGED INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31 st MARCH 2016

| EXPENDITURE | AMOUNT (₹) | INCOME | AMOUNT (₹) |
|---|---|---|---|
| To Project Expenses | 10,837,811 | By Grant Received | 11,107,238 |
| To Other Expenses | 368,622 | By Grant Receivable | 200,000 |
| To Grant pending Utilisation | 128,880 | By Interest from Bank | 25,622 |
| To Surplus | 157,562 | By Contribution & Donations | 160,015 |
| TOTAL | 11492875 | TOTAL | 11492875 |

In terms of our Audit Report even date attached.

For **DSS & ASSOCIATES**
Chartered Accountants

(S.S. Verma)
Partner [FRN 015683C]
Place: Jaipur
Dated:09.07.2016

For **GRAMIN MAHILA VIKAS SANSTHAN**

(Shankar Singh Rawat)
Secretary

ग्रामीण महिला विकास संस्थान
बूबानी (अजमेर)

## ABRIDGED BALANCE SHEET AS ON 31 st MARCH 2016

| LIABILITIES | AMOUNT (₹) | ASSETS | AMOUNT (₹) |
|---|---|---|---|
| General Fund | 3953365 | Fixed Assets | 3108369 |
| Unsecured Loan | 420000 | Grant Receivable | 1129700 |
| Grant Pending Utilisation | 128880 | Other Current assets | 298837 |
| Current Liabilities | 94833 | Cash in Hand | 41112 |
| | | Cash at Bank | 19060 |
| TOTAL | 4597078 | TOTAL | 4597078 |

In terms of our Audit Report even date attached.

For **DSS & ASSOCIATES**
Chartered Accountants

(S.S. Verma)
Partner [FRN 015683C]
Place: Jaipur
Dated:09.07.2016

For **GRAMIN MAHILA VIKAS SANSTHAN**

( Shankar Singh Rawat)
Secretary

ग्रामीण महिला विकास संस्थान
बूबानी (अजमेर)

# झलकियाँ

दैनिक भास्कर — राजस्थान — अजमेर, गुरुवार, 2 जुलाई, 2015

## रंग लाई, बदलने लगी महिलाओं की सो…

## 'महिलाओं को कमजोर ना समझें'

## विकास परियोजनाओं की हुई समीक्षा

मुहामी। ग्रामीण महिला विकास संस्थान बूबानी के हाउसिंग बोर्ड स्थित मुख्य कार्यालय में शनिवार को परियोजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक संस्थान अध्यक्ष अनिल कुमार माथुर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में महिला सशक्तिकरण परियोजना, मोबाइल मेडिकल सर्विसेज, महिला एसएचजी, महिला फैडरेशन कार्यक्रम सहित…

मुहामी. ग्रामीण महिला विकास संस्थान की समीक्षा बैठक में उपस्थित अधिका…

## फैडरेशन सदस्यों को दिया… शिविर में प्रशिक्षण

## वित्तीय सामर्थ्य के लिए समिति सदस्यों को दिया प्रशिक्षण

## महिलाएं बन रही हैं आत्मनिर्भर

राजस्थान पत्रिका

## परियोजना का किया निरीक्षण

मुहामी @ पत्रिका. ग्रामीण महिला विकास संस्थान बूबानी की ओर से संचालित हंस मोबाइल मेडिकल सर्विसेज परियोजना का द हंस फाउंडेशन नई दिल्ली की टीम ने निरीक्षण किया।

## बेहतर कार्यों पर महिला विकास संस्थान बूबानी को माइक्रो फाइनेंस इंडिया अवार्ड

## मोबाइल मेडिकल सर्विसेज परियोजना का दिल्ली के दल ने किया निरीक्षण

श्रीनगर पंचायत के 12 गांवों में दी जा रही है निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं

## स्वास्थ्य समितियों को दी जानकारी

दैनिक भास्कर

## महिलाओं को किया प्रशिक्षित

दैनिक नवज्योति 14 अजमेर, 29 मई, 2015, शुक्रवार

## जैसलमेर की महिलाओं ने देखी गतिविधियां

न्यूज सर्विस/नवज्योति, मुहामी

ग्रामीण महिला विकास संस्थान बूबानी अजमेर द्वारा संचालित ग्रामीण महिला जागृति समिति (फेडरेशन) द्वारा संचालित महिला स्वयं सहायता समूह की गतिविधियों को देखने के लिए प्रादिस संस्थान जैसलमेर के सदस्य आए। फेडरेशन मैनेजर गजानंद बाकोलिया ने…

## ग्रामीण महिला विकास संस्थान को माइक्रो फाइनेंस इंडिया अवार्ड

नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री ने अध्यक्ष व सचिव को किया सम्मानित

## महिला अध्यापिकाओं को दिया प्रशिक्षण

दैनिक नवज्योति — अजमेर, मंगलवार, 12 जुलाई 2016

## …स्थ्य के प्रति किया जागरूक

## महिलाओं को बताया टीकाकरण का महत्व

दैनिक नवज्योति — अजमेर, गुरुवार, 23 जुलाई 2015

## …माह तक स्तनपान करावें

मुहामी। ग्रामीण महिला विकास संस्थान बूबानी द्वारा संचालित मोबाइल मेडिकल सर्विसेज टीम द्वारा …न सप्ताह में 12 गांवों में जागरूकता कार्यक्रम …आयोजित किए गए। द हंस फाउंडेशन नई दिल्ली के …त्तीय सहयोग से ग्राम गुढ़ा में आयोजित संगोष्ठी में …धात्री महिलाओं एवं गर्भवती महिलाओं को स्तनपान …महत्ता बताई। परियोजना समन्वयक किरनजीत …ने 6 माह तक के बच्चों को मां का दूध ही पिलाने …जोर दिया। ताकि बच्चा स्वस्थ रह सके। स्वास्थ्य…

मुहामी। ग्राम गुढ़ा में आयोजित कार्यक्रम में जानक… — गोविन्द सिंह

## फेडरेशन सदस्यों को दिया प्रशिक्षण

फेडरेशन सदस्यों को प्रशिक्षण शिविर के दौरान प्रशिक्षण… अधिकारी। —गोविंद सिंह

मुहामी। ग्रामीण महिला जाग्रति समिति के कार्यकारिणी सदस्यों का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर श्रीराम गेस्ट हाउस में आयोजित हुआ। प्रशिक्षक जेबुन्निशा ने फेडरेशन पदाधिकारियों व सदस्यों को संचालन …दारी देते हुए समिति को आगामी पांच वर्षों में आगे बढ़ाने को कहा। …हिला विकास संस्थान सचिव शंकर सिंह रावत ने कार्यकारिणी के …को कहा कि प्रशिक्षण के दौरान जो भी सीखा उससे अपने समूह …के साथ-साथ फेडरेशन में भी योगदान दें। शिविर ग्रामीण महिला …स्थान बूबानी के वित्तीय सहयोग एवं सेंटर फॉर माईक्रोफाइनेंस …में आयोजित किया गया है। इस दौरान फेडरेशन मैनेजर गजानंद …, परियोजना अधिकारी तेजाराम मेघवंशी, घनश्याम सादावत, शंभु …, कार्यकर्ता ज्ञानसिंह, दशरथ, नरेश, देवेन्द्र आदि मौजूद थे।

दैनिक नवज्योति — अजमेर, बुधवार, 2 मार्च 2016

## वित्तीय साक्षरता जागरुकता रथ रवाना

दैनिक भास्कर

## स्वास्थ्य शिविर का ग्रामीणों ने उठाया लाभ

शिविर में बीमारियों के इलाज की दी जानकारी

## …रावत का राज्य स्तर पर सम्मान

दैनिक नवज्योति

## किसानों के लिए वरदान जेएलजी योजना

## …सखी मित्रों ने की मासिक बैठक में समीक्षा

## वित्तीय सेवाओं के उपयोग की दी जानकारी

मुहामी. परिवार खुशहाल सखी-मंत्रों की मासिक बैठक में मौजूद लोग।

## स्वयं सहायता समूहों की समझी कार्यप्रणाली, देखे क्रिया कलाप

100 महिलाओं के दल ने किया शैक्षणिक भ्रमण

अभियान

## ग्रामीणों को वित्तीय जागरूक बनाएगा साक्षरता रथ

सीसीबी बैंक के चेयरमैन ने किया रथ को रवाना

मुहामी. वित्तिय साक्षरता जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते सीसीबी बैंक अध्यक्ष चौधरी व अन्य।

दैनिक भास्कर — अजमेर, गुरुवार 23 जुलाई, 2015

## स्वास्थ्य के प्रति महिलाएं रहें सजग

मुहामी। डॉ. अमर भार्गव ने कहा है कि ग्रामीण महिलाएं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें। अपने घर व आसपास की गंदगी को दूर करने से सैंकड़ों बीमारियों से निजात मिल सकती है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने एक अच्छी शुरूआत करते हुए स्वच्छ भारत-निर्मल भारत अभियान चलाया है। अभियान के तहत देश के हर घर में शौचालय बनवाकर देश को खुले में शौचमुक्त करना है। डॉ. भार्गव बुधवार को ग्रामीण महिला विकास संस्थान व द हंस फाउंडेशन नई दिल्ली के वित्तिय सहयोग से संचालित मोबाइल मेडिकल सर्विसेज योजना के तहत ग्राम गुढ़ा में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में बोल रहे थे।

# सेवाओं की ओर ...

द हंस फाउण्डेशन
(नई दिल्ली) के वितीय सहयोग से
ग्रामीण महिला विकास संस्थान बूबानी अजमेर (राज.)
द्वारा संचालित वर्ष 2015-2016
GMVS




THE hans FOUNDATION
द हंस फाउण्डेशन
(नई दिल्ली) के वितीय सहयोग से
ग्रामीण महिला विकास संस्थान बूबानी अजमेर (राज.)
द्वारा संचालित वर्ष 2015-2016
GMVS
हंस मोबाईल मेडिकल सर्विस




Centre for micro Finance
सेन्टर फॉर माइक्रो फाईनेन्स व जी.आई.जेड के
वित्तीय व तकनीकी सहयोग से
ग्रामीण महिला विकास संस्थान द्वारा संचालित
वित्तीय सामर्थ्य कार्यक्रम में
GMVS

# विकास की ओर बढ़ते कदम

# विकास की ओर बढ़ते कदम

# सेवाओं में प्रयासरत ...

# ग्रामीण महिला विकास संस्थान (GMVS)


**मुख्य कार्यालय**

पटाखा फैक्ट्री के पास
राजा रेडी ( सुमेर नगर )
मदनगंज-किशनगढ-305801
जिला-अजमेर ( राज. ) भारत
फोन : +91-1463-245642
मोबाईल : +91-9672979032
ई-मेल : bubanigmvs@gmail.com
Visit us : www.gmvs.ngo

**पंजीयन कार्यालय**

मु.पो. बुबानी
वाया-गगवाना - 305023
जिला-अजमेर ( राज. ) भारत
मोबाईल : +91-9928170035
ई-मेल : gmvsajmer@gmail.com

**क्षेत्रीय कार्यालय :**

ई-6, पंचवटी
सामुदायिक केन्द्र के पास
चित्तौड़गढ़-312001 ( राज. ) भारत
मोबाईल : +91-9929259050
ई-मेल :gmvschittorgarh@gmail.com

**क्षेत्रीय कार्यालय :**

किसान चौराहा, शेखपुरा रोड़
ग्राम-थावला,
जिला-नागौर-305026
मोबाईल : 9672979038